राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 | वर्षः 11 अंकः 159 | पृष्ट : 08, | नई दिल्ली, मंगलवार, 21 दिसम्बर 2021 | मूल्यः 1.50/-

भाजपा सांसदों पर भड़कीं जया, कहा- मैं श्राप देती हूं कि आप लोगों के बुरे दिन जल्द आएंगे

नई दिल्ली राज्यसभा में आज समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर बरसीं। दरअसल, ट्रेजरी बेंच पर बैठे भाजपा सांसदों के साथ सपा सांसद जया बच्चन की तीखी बहस हो गई। इस दौरान जया बच्चन भाजपा इन सांसदों पर भड़क गईं। उन्होंने कहा कि आप लोगों के बुरे दिन बहुत जल्दी आने वाले हैं। बेहद नाराज दिख रहीं जया बच्चन ने कहा कि मुझ पर निजी हमला किया गया, मैं आपको श्राप देती हूं कि आप लोगों के बुरे दिन आएंगे। आप गला ही घोंट दीजिए हम लोगों का, आप लोग चलाइए। जया बच्चन ने विपक्षी दलों के नेताओं से भी कहा कि आप बीन किसके आगे बजा रहे हैं।

हमारा गला घोंट दीजिए, बोलने तो दे नहीं रहे...

जया बच्चन ने कहा कि सदन में जो हो रहा है वह काफी दुखद है। उन्होंने कहा कि अगर आप लोगों में अपने साथियों के लिए जरा भी सम्मान नहीं तो हमारा गला ही घोंट दीजिए, बोलने तो दे नहीं रहे हैं। जया ने सभापति से

अपील करते हुए कहा कि मेरे खिलाफ और मेरे करियर के खिलाफ अपशब्द कहे गए और ऐसे सदस्यों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

विपक्षी दल केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा के इस्तीफे और 12 सासंदों के निलंबन की वापसी की मांग कर रहे हैं। इसी वजह से सदन में लगातार हंगामा हो रहा है संसद स्थगित हो रही है। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन राज्यसभा में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के 12 सदस्यों को मॉनसून सत्र के दौरान अशोभनीय आचरण करने के कारण, इस सत्र की शेष अवधि के लिए उच्च सदन से निलंबित कर दिया गया था। इनका निलंबन रद्द करने की मांग को लेकर विपक्ष लगातार विरोध और हंगामा कर रहा है।

राउत बोले, जया जी का गुस्सा ऐश्वर्या पर न निकालें

पनामा पेपर्स लीक से जुड़े मामले में ऐश्वर्या राय बच्चन से प्रवर्तन निदेशालय की पूछताछ को लेकर सियासत भी तेज हो गई है। शिवसेना सांसद संजय राउत ने इस पर सवाल उठाए हैं और कहा है कि सरकार को जया जी का गुस्सा बच्चों पर नहीं निकालना चाहिए। ऐश्वर्या राय बच्चन को ईडी द्वारा पूछताछ के लिए बुलाए जाने पर जब संजय राउत से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें इसलिए नोटिस दिया गया है क्योंकि जया बच्चन विपक्षी सांसदों के साथ हैं। इसके बाद उनके बेटे, पोते और पोती को भी नोटिस भेजा जाएगा।

योगी बोले- पहले नौकरी निकलती थी तो वसूली पर निकल पड़ता था खानदान

पंजाब के शिक्षा मंत्री ने सिद्धू का बताया भाड़े का सिपाही

नई दिल्ली। पांच राज्यों में पांच साल आपने देखा, वह तो ट्रेलर था। असली फिल्म शुरू होना तो अभी बाकी है।

पंजाब तकनीकी शिक्षा मंत्री

राणा गुरजीत सिंह ने पंजाब कांग्रेस प्रधान नवजोत सिद्धू पर निशाना साधा है। राणा गुरजीत ने पार्टी के भीतर विभाजन पैदा करने की कोशिश करने और पुराने कांग्रेसियों की वफादारी पर सवाल उठाने के लिए सिद्धू पर हमला बोला है। उन्होंने सिद्धू को भाड़े का सिपाही बताते हुए कहा कि एक सच्चे कांग्रेसी के बारे में बात करते हुए सिद्धू अपनी भाषा पर ध्यान दें। राणा ने कहा कि सिद्धू भाड़े के व्यक्ति की तरह हैं, जो सिर्फ मुख्यमंत्री बनने के एकमात्र उद्देश्य से पार्टी में शामिल हुए हैं, जबकि मैं जन्मजात कांग्रेसी हूं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी सोमवार को जौनपुर के मछलीशहर पहुंचे। यहां दोनों ने करोड़ों की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवारवाद और वंशवाद के आधार पर जिन लोगों ने नौजवानों के साथ खिलवाड़ किया।

अगले साल की शुरूआत में चुनाव होने हैं। इन राज्यों में चुनावी हलचल बढ़ी हुई है। कहीं, गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी का मुद्दा है तो कहीं फोन टैपिंग की बात हो रही है। सभी पार्टियां चुनाव तारीखों के ऐलान से पहले ही चुनाव प्रचार के मोड में आ गई हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को मिजार्पुर पहुंचे। दोनों ने अतरैला में 3037 करोड़ की चार राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसके बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि हम उत्तर प्रदेश में केवल गुंडागर्दी को समाप्त नहीं कर रहे हैं। हम गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी को भी समाप्त करने जा रहे हैं। जो

भाजपा को झटका, सपा में शामिल हुए प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य व पूर्व विधायक राम इकबाल सिंह

लखनऊ। भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य व बलिया से पूर्व विधायक राम इकबाल सिंह अपने साथियों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम इकबाल को पार्टी की सदस्यता दिलाई। राम इकबाल सिंह भाजपा सरकार की नीतियों को लेकर सवाल उठाते रहे हैं।

राम इकबाल के सपा में शामिल होने की जानकारी पार्टी की तरफ से ट्वीट कर दी गई। ट्वीट में कहा गया कि सपा का बढ़ता कारवां, राष्ट्रीय अध्यक्ष (अखिलेश यादव) के नेतृत्व में आस्था जताते हुए बलिया के चिलकहर विधानसभा से भाजपा के पूर्व विधायक राम इकबाल सिंह अपने साथियों के साथ सपा में शामिल। आपका हार्दिक स्वागत और अभिनंदन।

बताया जा रहा है कि राम इकबाल के सपा में जाने से बलिया जिले में भाजपा को तगड़ा झटका लगा है। राम इकबाल सिंह पिछले कुछ समय से लगातार अपनी ही सरकार के खिलाफ में बयान देकर इसके संदेश पहली ही दे चुके थे।

वर्ष 2002 में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में रामइकबाल सिंह चिलकहर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर विधायक चुने गए थे। बाद में ये सीट परिसीमन में खत्म हो गई। इसका कुछ हिस्सा रसड़ा और कुछ हिस्सा बेल्थरारोड विधानसभा में चला गया। इसके बाद पार्टी में हाशिए पर आए पूर्व विधायक काफी दिनों से अपने लिए राजनीतिक जमीन तलाश रहे थे।

रामइकबाल अक्सर अपने बयानों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर निशाना साधते रहे हैं। उनके बयानों से यह अटकलें पहले से लगाई जा रही थीं कि वह जल्द ही सपा में शामिल हो सकते हैं।

कोरोना के टीके की बूस्टर खुराक के तीसरे चरण के ट्रायल के लिए आवेदन, नाक से दी जाएगी वैक्सीन

नई दिल्ली। देश की प्रमुख बायोटेक्नोलॉजी कंपनी भारत बायोटेक ने अपने नाक से लिए

जाने वाले कोविड रोधी टीके की बूस्टर खुराक के तीसरे चरण के ट्रायल के लिए डीजीसीआई (भारत के औषधि महानियंत्रक) के पास आवेदन किया है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह बूस्टर खुराक उन लोगों को दी जा सकेगी जिन्होंने कोवाक्सिन या कोविशील्ड टीका लगवाया है।

देश में इस समय कोरोना वायरस के नए और अधिक संक्रामक ओमिक्रॉन वैरिएंट का खतरा मंडरा रहा है। देश में संक्रमण के मामले एक बार फिर बढ़ने लगे हैं और आशंका जताई जा रही है कि अगले साल फरवरी तक देश में कोरोना महामारी की तीसरी लहर आ सकती है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि नाक से दिया जाने वाला टीका ओमिक्रॉन वैरिएंट से सुरक्षा दे सकता है।

भारत बायोटेक ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों को शीशी खोलने और उसकी बबार्दी की चिंता करने की जरूरत नहीं है। यदि मरीज उपलब्ध नहीं हैं, तो वे बस खुली हुई शीशी को 2 से 8 डिग्री सेल्सियस पर स्टोर कर सकते हैं और अगले दिन इसका इस्तेमाल कर सकते हैं या इसे 28 दिनों तक स्टोर कर सकते हैं।

भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा है कि कोरोना वायरस के नए वैरिएंट से सुरक्षा के लिए वर्तमान टीकों में कुछ बदलाव किया जा सकता है। उनकी यह टिप्पणी ओमिक्रॉन से खतरे की आशंकाओं के बीच आएगी। उन्होंने कहा कि हमारे पास दूसरी पीढ़ी के टीके होंगे। यह कुछ ऐसा है जो हमें दिमाग में रखना चाहिए। मौजूदा टीके प्रभावी हैं लेकिन नए वैरिएंट के मामले में इम्युनिटी कम हो जाती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक सार्स-सीओवी-2 जैसे कई वायरस सामान्य तौर पर म्यूकोसा के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं। यह नाक में मौजूद एक ऊतक होता है। वायरस म्यूकोसल झिल्ली में मौजूद कोशिकाओं और अणुओं को संक्रमित करता है। ऐसे में व्यक्ति को नाक से टीके की खुराक देकर किसी वायरस को शरीर में प्रवेश करने से पहले ही खत्म किया जा सकता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक नाक से दिया जाने वाला टीका इम्युनोग्लोबुलिन ए (कॅअ) का उत्पादन करता है, जो वायरस के प्रवेश के स्थान यानी नाक में ही मजबूत प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न करके वायरस को रोक सकते हैं।

यह संक्रमण से लड़ने में

प्रधानमंत्री मोदी ने की विभिन्न सीईओ के साथ बैठक, अर्थव्यवस्था को बेहतर करने के लिए मांगे सुझाव

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विभिन्न क्षेत्रों की अलग-अलग दिग्गज कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ वार्ता की। बैठक में शामिल होने वाले सीईओ बैंकिंग, बुनियादी ढांचा, ऑटोमोबाइल्स, टेलीकॉम, उपभोक्ता वस्तुओं, टेक्सटाइल, नवीकरणीय ऊर्जा, हॉस्पिटैलिटी, प्रौद्योगिकी, हेल्थकेयर, अंतरिक्ष और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के थे।

जानकारी के अनुसार इस दौरान पीएम ने उनसे अर्थव्यवस्था को बेहतर करने के लिए सुझाव मांगे और विचार जाने। प्रधानमंत्री मोदी आगामी बजट सत्र से पहले निजी क्षेत्र से सुझाव जानने के लिए लगातार बैठकें कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कारोबारी सुधारों और व्यापार को आसान बनाने के मुद्दों पर प्रमुख निजी इक्विटी व उद्यम पूंजी फर्मों के साथ चर्चा की थी।

निजी इक्विटी और उद्यम पूंजी फर्मों के साथ बैठक में प्रधानमंत्री ने सरकार की ओर से सुधारों को लाने के लिए, अनावश्यक अनुपालन बोझ कम करने के लिए और पीएम गतिशक्ति जैसे भविष्य की पहलों की संभावनाओं पर चर्चा की थी। उन्होंने भारत में जमीनी स्तर पर हो रहे इनोवेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा दिए जाने का भी उल्लेख किया था।

मध्य एशियाई देश हमारे लिए बहुत अहमः पीएम मोदी– प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत अपने विस्तारित पड़ोस के अपने हिस्से के तौर पर मध्य एशियाई देशों के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को बहुत महत्व देता है। प्रधानमंत्री ने यह बात कजाकिस्तान, किरगिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्रियों के साथ एक संयुक्त मुलाकात के दौरान कही थी।

आपसी संबंधों को और ज्यादा मजबूत करने पर जोर

इस बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी मौजूद रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने साल 2015 में सभी मध्य एशियाई देशों और उसके बाद कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और किर्गिज गणराज्य की अपनी यात्राओं को भी याद किया। उन्होंने इस दौरान आपसी संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया।

वसीम अकरम का भारतीय खिलाड़ियों पर तंज, कहा- जब तक दूसरी लीग नहीं खेलोगे, हारते रहोगे

इस्लामाबाद। टी-20 विश्व कप 2021 में भारत को अपने ओपनिंग मैच में पाकिस्तान के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद टीम न्यूजीलैंड से भी हार गई और सेमीफाइनल में पहुंचने का उसका सपना अधूरा रह गया। पाकिस्तान के खिलाफ मिली 10 विकेट से हार ने टीम इंडिया को अंदर तक झकझोर कर रख दिया। यह किसी भी विश्व कप में भारत को पाकिस्तान के खिलाफ मिली पहली हार थी। अब पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने इसको लेकर बड़ा बयान दिया है। अकरम ने स्पोर्ट360 से बातचीत में कहा कि भारतीय टीम शाहीन अफरीदी के पहले ओवर में दिए झटकों से कभी उबर ही नहीं पाई थी। शाहीन ने पारी के पहले ओवर की चौथी गेंद पर रोहित शर्मा को एलबीडब्लू आउट किया था। इसके बाद अपने अगले ओवर में केएल राहुल को भी पवेलियन भेजा था। 19वें ओवर में शाहीन ने विराट कोहली को भी आउट किया। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 152 रन बना सकी थी। इसे पाक टीम ने 17.5 ओवर में बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया था।

एक्शन में दिल्ली सरकारः मोहल्ला क्लीनिक में दी गई दवा से तीन बच्चों की मौत, तीन डॉक्टर बर्खास्त, जांच के आदेश

नई दिल्ली। मोहल्ला क्लीनिक में दी गई गलत दवा की वजह से 16 बच्चे बीमार पड़ गए जिनमें से तीन की मौत हुई है। हालांकि यह मामला कुछ माह पुराना है लेकिन सोमवार को केंद्र सरकार के स्वास्थ्य महानिदेशक की चिट्ठी सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि इस घटना में अब तक तीन डॉक्टरों को नौकरी से निकाला जा चुका है। साथ ही इन डॉक्टरों का लाइसेंस निरस्त करने के लिए दिल्ली मेडिकल काउंसिल (डीएमसी) से भी अपील की गई है।

मंत्री जैन ने यह भी बताया कि दिल्ली सरकार ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए चार सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया है। मुख्य जिला चिकित्सीय अधिकारी डॉ. गीता की निगरानी में यह कमेटी पूरी घटना की जांच करेगी और एक सप्ताह के अंदर रिपोर्ट सरकार को सौपेगी। स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

दरअसल बीते सात दिसंबर को स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. सुनील कुमार ने दिल्ली स्वास्थ्य विभाग को एक चिट्ठी लिखी है जिसमें बताया गया कि मोहल्ला क्लीनिक में गलत दवा देने की वजह से 16 बच्चे बीमार पड़ गए। इन्हें कलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां तीन बच्चों की मौत भी हुई।

यह दवा चार वर्ष से कम आयु के बच्चों को नहीं दी जाती है। महानिदेशक ने तत्काल इस दवा पर रोक लगाने और भंडारण से भी इसे हटाने की अपील की। उन्होंने यहां तक लिखा है कि ओमेगा फॉर्मास्युटिकल कंपनी की ओर से यह दवा डेक्सट्रोमेथार्फन बनाई जा रही है।

इसे लेकर केंद्रीय औषधि नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) भी दिशा निर्देश जारी कर चुका है। बहरहाल यह चिट्ठी सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुई और इसे लेकर दिल्ली सरकार पर विपक्षी दल भी आरोप लगाने लगे जिसके बाद देर शाम स्वास्थ्य मंत्री ने प्रेस कान्फ्रेंस में अहम जानकारी साझा की।

वहीं दूसरी ओर दिल्ली स्वास्थ्य निदेशक डॉ. नूतन मुंडेजा का कहना है कि यह मामला काफी पुराना है। इस दवा को हटा लिया गया है। साथ ही सभी को निर्देश भी दिए जा चुके हैं।

सार समाचार

ओमीक्रोन के डेल्टा स्वरूप से कम गंभीर होने का कोई साक्ष्य नहीं : ब्रिटेन का अध्ययन

लंदन। ब्रिटेन में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, इस बारे में कोई सबूत नहीं है कि कोरोना वायरस का ओमीक्रोन स्वरूप, डेल्टा स्वरूप की तुलना में कम भयावह है। इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि नया स्वरूप (ओमीक्रोन) पिछले संक्रमण या टीके की दोनों खुराकों से मिली प्रतिरक्षा को बड़े पैमाने पर चकमा देता है।

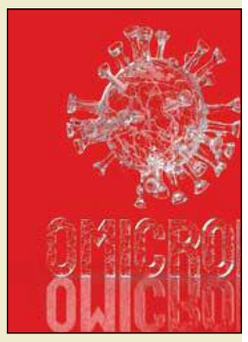

ब्रिटेन में इंपीरियल कॉलेज लंदन के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया कि ओमीक्रोन स्वरूप से फिर संक्रमित होने का जोखिम डेल्टा स्वरूप की तुलना में 5.4 गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह है कि पिछले संक्रमण से मिली सुरक्षा को ओमीक्रोन 19 प्रतिशत तक कम कर सकता है। अध्ययन के लेखकों ने कहा, 'अध्ययन में ओमीक्रोन के डेल्टा स्वरूप से कम गंभीर होने के कोई साक्ष्य नहीं पाए गए, चाहे क्यों न यह जांच में संक्रमित पाए जाने वाले लोगों के अनुपात के आधार पर हो, जो लक्षणों की जानकारी देते हैं, या संक्रमण के बाद अस्पताल में देखभाल करने वाले मामलों के अनुपात के आधार पर तय किए गए हों।' उन्होंने कहा, 'हालांकि, अस्पताल में भर्ती होने संबंधी आंकड़े इस वक्त बहुत कम हैं।' अध्ययन में इंग्लैंड में सभी पीसीआर जांच से पुष्टि किए गए सार्स-कोवी-2 के सभी मामलों के डेटा का उपयोग किया गया, जिनकी 29 नवंबर और 11 दिसंबर, 2021 के बीच कोविड-19 की जांच की गई थी। अनुसंधान में 'एस जीन टार्गेट फेल्यर' (एसजीटीएफ) के कारण ओमीक्रोन से संक्रमित होने वाले लोगों के साथ-साथ वे लोग शामिल थे जिनमें जीनोटाइप डेटा के साथ ओमीक्रोन संक्रमण की पुष्टि हुई। यह अध्ययन अभी प्रकाशित होना है।

मीडिया की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए पोलैंड में प्रदर्शन, सड़कों पर उतरे लोग

वारसॉ। पोलैंड की दक्षिणपंथी सरकार द्वारा निशाना बनाए जा रहे अमेरिकी स्वामित्व वाले एक टेलीविजन चैनल के बचाव में और मीडिया की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए समूचे देश में लोग रविवार को सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों में बुजुर्ग भी शामिल थे, जिन्होंने दशकों पहले देश के साम्यवादी शासन का विरोध किया था और जो इस बात से चिंतित हैं कि जिस लोकतंत्र की स्थापना में उन्होंने मदद की, वह अब खत्म होता जा रहा है। कई नागरिक मानते हैं कि पोलैंड की जनवादी दक्षिणपंथी सरकार देश को पश्चिम सभ्यता से दूर कर रही है और अदालतों पर राजनीतिक नियंत्रण लगाने तथा आलोचनात्मक मीडिया को चुप कराने के प्रयासों के साथ तुर्की या रूस से करीब समझे जाने वाले एक सत्तावादी मॉडल को अपना रही है। मुख्य विपक्षी दल के नेता डोनाल्ड टस्क ने देश के नागरिकों से एकजुटता दिखाने और नेतृत्व बदलने का आह्वान किया। संसद ने डिस्कवरी इंक को पोलैंड के सबसे बड़े टेलीविजन नेटवर्क टीवीएन में अपने नियंत्रण वाले हिस्से को बेचने के लिए मजबूर करने संबंधी एक विधेयक शुक्रवार को पारित किया था, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन किए गए।

क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए कश्मीर मुद्दे का समाधान महत्वपूर्ण- जनरल बाजवा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेनी प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने रविवार को कहा कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए कश्मीर मुद्दे का समाधान महत्वपूर्ण है। जनरल बाजवा ने यह टिप्पणी सऊदी विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद के साथ एक बैठक के दौरान की। सऊद ने अफगानिस्तान में मानवीय हालात पर आयोजित इस्लामिक सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों के 17वें सत्र से इतर बाजवा से मुलाकात की थी। सेना ने एक बयान में कहा कि दोनों ने साझा हित, क्षेत्रीय सुरक्षा, अफगानिस्तान में मौजूदा स्थिति और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों के मुद्दों पर चर्चा की। बयान के अनुसार, जनरल बाजवा ने इस बात पर भी जोर दिया कि दक्षिण एशिया में स्थिरता के लिए कश्मीर विवाद का शांतिपूर्ण समाधान आवश्यक है और दोहराया कि पाकिस्तान क्षेत्रीय शांति और समृद्धि के मद्देनजर अपने सभी पड़ोसियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध चाहता है। भारत ने भी सदैव पाकिस्तान से कहा है कि वह इस्लामाबाद के साथ आतंकवाद और हिंसा मुक्त वातावरण में सामान्य संबंधों की इच्छा रखता है।

ओमीक्रोन का बरपाया कहर, ब्रिटेन में एक दिन में 10,000 से अधिक नए मामले

लंदन। ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के एक दिन में 10,000 से अधिक मामले सामने आए हैं जोकि अब तक इस स्वरूप के दैनिक मामलों की सर्वाधिक संख्या है। ब्रिटेन में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 90,000 से अधिक नए मामले दर्ज किए गए। ब्रिटिश स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी (यूकेएचएसए) ने शनिवार को ओमीक्रोन स्वरूप के 10,059 नए मामलों की पुष्टि की है जोकि शुक्रवार को इस स्वरूप के सामने आए 3,201 मामलों से तीन गुना से अधिक संख्या है। इसके साथ ही ब्रिटेन में अब तक ओमीक्रोन के कुल 24,968 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। ब्रिटेन में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के कुल 90,418 नए मामले सामने आए ,जबकि 125 मरीजों ने इस घातक वायरस के कारण दम तोड़ दिया। वहीं, देश में वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन से संक्रमित सात मरीजों की मौत हो चुकी है। ओमीक्रोन के मामलों की बढ़ती संख्या के चलते सरकार द्वारा सख्त लॉकडाउन नियमों को लागू करने की योजना संबंधी रिपोर्ट का हवाला देते हुए ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री साजिद जाविद ने कहा, हमने पूर्व में देखा है कि सरकार ने किस तरह महामारी का मुकाबला किया है। हम जो भी जरूरी होगा, वो करेंगे। हालांकि, सरकार कोई भी कदम आंकड़ों पर आधारित होगा। हम आंकड़ों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और इस पर वैज्ञानिकों के साथ चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने पिछले कुछ दिनों में ओमीक्रोन के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी है, जिसे लेकर मैं भयभीत हूं। हालांकि, पिछले साल की तुलना में इस साल अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या कम है।

इमरान के बयान अपमानजनक, अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करे पाक : करजई

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने कहा है कि इस्लामाबाद को काबुल के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान के पीएम इमरान खान की हालिया टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया करते हुए यह बात कही। इस्लामाबाद में इस्लामिक सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की परिषद के 17वें सत्र को संबोधित करते हुए इमरान खान ने कहा था कि अगर अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार में आतंकवाद से लड़ने की क्षमता नहीं है, तो आईएस खतरा बन जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अफगानिस्तान अराजकता की ओर बढ़ रहा है।

करजई ने कहा यह आरोप सही नहीं है। उन्होंने कहा कि आईएस शुरू से ही पाकिस्तान से अफगानिस्तान को धमकी दे रहा है। पूर्व नेता ने एक बयान में कहा कि ये टिप्पणियां सच नहीं हैं, और अफगानिस्तान के खिलाफ प्रोपेगेंडा है। शुरू से ही अफगानिस्तान को पाकिस्तान से दाएश की धमकी का सामना करना पड़ रहा है।

खान ने पूर्व अफगान सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। करजई ने इसपर कहा कि पाकिस्तान सरकार को अफगानिस्तान के मामलों में हस्तक्षेप करना बंद कर देना चाहिए, उसका अंतर्राष्ट्रीय समारोहों में काबुल की ओर से बात करना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि इस तरह की टिप्पणी अफगानिस्तान के लोगों का अपमान करती है। इस्लामिक देशों की इस बैठक में इमरान खान ने तालिबान की मदद के लिए धर्म की भी दुहाई दी। पाक पीएम ने कहा अगर दुनिया ने हस्तक्षेप नहीं किया तो अफगानिस्तान में इंसानों की ओर से बनाया गया सबसे बड़ा संकट पैदा होगा। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान की मदद करना हमारी धार्मिक जिम्मेदारी है। बता दें कि अफगानिस्तान में मानवीय संकट पर चर्चा के लिए इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के मंत्रियों की परिषद का 17वां विशेष सत्र रविवार को इस्लामाबाद में शुरू हुआ है।

अमेरिका के प्रभावशाली पूर्व सीनेटर जॉनी इसाकसोन का निधन, 76 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

अटलांटा (अमेरिका)। अमेरिका के प्रभावशाली पूर्व सीनेटर एवं रिपब्लिकन नेता जॉनी इसाकसोन का रविवार को निधन हो गया। वह 76 वर्ष थे। जॉनी इसाकसोन के बेटे जॉन इसाकसोन ने समाचार एजेंसी 'द एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि उनके पिता जब सो रहे थे, तभी उनका तड़के निधन हो गया। उन्होंने कहा कि हालांकि, उनके पिता पार्किंसंस बीमारी से पीड़ित थे, लेकिन उनकी मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। जॉन ने कहा, ''वह बहुत अच्छे इंसान थे और मुझे उनकी याद आएगी।'' जॉनी इसाकसोन के रियल एस्टेट कारोबार ने उन्हें अमीर बनाया और उन्होंने चार दशकों तक जॉर्जिया की राजनीति में योगदान दिया। इसाकसोन ने 17 साल तक सांसद के रूप में सेवाएं दीं। उन्होंने 2019 में राजनीति से संन्यास से लिया था।

चिली में वामपंथी गेब्रियल बोरिक ने राष्ट्रपति चुनाव में जीत दर्ज की, हासिल किया 56 प्रतिशत मत

सैंटियागो। (एजेंसी)। चिली में वामपंथी गेब्रियल बोरिक ने राष्ट्रपति चुनाव में जीत दर्ज की। ग्रेबियल ने 56 प्रतिशत मत हासिल किए और दक्षिणपंथी नेता जोस एंतोनियो को मात दी। जोस ने परिणाम स्पष्ट होने के तुरंत बाद अपनी हार स्वीकार की और ग्रेबियल को फोन कर जीत की बधाई दी। इसके बाद वह स्वयं ग्रेबियल के चुनाव प्रचार कार्यों से जुड़े मुख्यालय गए और अपने प्रतिद्वंद्वी से मुलाकात भी की। इस बीच, निवर्तमान राष्ट्रपति सेबास्टियन पिन्येरा ने ग्रेबियल के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और सत्ता हस्तांतरण के दौरान उनकी सरकार के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। समर्थकों की भारी भीड़ के बीच ग्रेबियल एक मंच पर पहुंचे और वहां से उन्होंने स्वदेशी 'मापुचे' में हजारों युवा समर्थकों के लिए एक उत्साहजनक विजयी भाषण दिया।

उन्होंने कहा, ''हम एक ऐसी पीढ़ी हैं जो सार्वजनिक जीवन में पली-बढ़ी है और मांग करती है कि हमारे अधिकारों का सम्मान अधिकारों के रूप में किया जाए न कि वस्तुओं या व्यवसाय की तरह। हम जानते हैं कि अमीरों और गरीबों के लिए न्याय जारी रहेगा....साथ ही अब हम सुनिश्चित करेंगे कि चिली के गरीबों को असमानता की कीमत ना चुकानी पड़े।'' उन्होंने चिली की महिलाओं की भी हौसला-अफजाई की और वादा किया कि वे उनकी सरकार में एक प्रमुख भूमिका निभाएंगी, जिससे कि ''समाज की सभी तरह की पितृसत्तात्मक सोच को हमेशा के लिए पीछे छोड़ने में मदद मिलेगी।

जापान के एक अरबपति ने 12 दिन अंतरिक्ष में बिताया, अंतरिक्ष में जाने वाले पहले पर्यटक बने

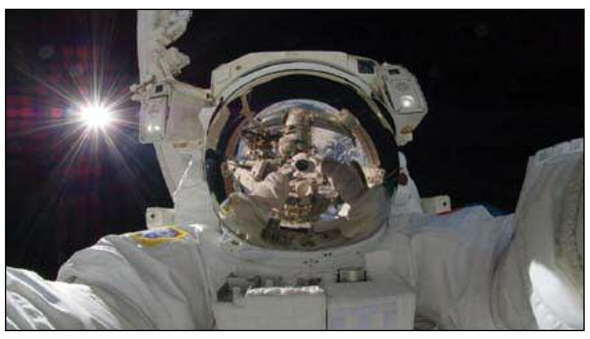

मॉस्को। (एजेंसी)। जापान के एक अरबपति, उनका प्रोड्यूसर और एक रूसी अंतरिक्ष यात्री 12 दिन अंतरिक्ष में बिताने के बाद सोमवार को सुरक्षित पृथ्वी पर लौट आए। वे एक दशक से भी अधिक समय बाद खुद पैसे चुकाकर अंतरिक्ष में जाने वाले पहले पर्यटक हैं।

फैशन कारोबारी युसाकु मिजावा, उनके प्रोड्यूसर योजो हिरानो और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर मिसुर्किन रूसी सोयुज अंतरिक्ष यान से भारतीय समयानुसार सोमवार सुबह पांच बजकर 20 मिनट पर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र से रवाना हुए थे। वे झेज्काजगन शहर से करीब 148 किलोमीटर दूर दक्षिणपूर्व में सुबह नौ बजकर 13 मिनट पर कजाखस्तान में उतरे। मिजावा (46) और उनके 36 वर्षीय प्रोड्यूसर 2009 के बाद से खुद पैसे चुकाकर अंतरिक्ष केंद्र जाने वाले पहले पर्यटक हैं।

फिलीपीन में शक्तिशाली तूफान, 200 के पार पहुंची मरने वालो की संख्या; 52 लोग लापता

मनीला।(एजेंसी)। फिलीपीन में इस साल के सबसे भीषण तूफान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 200 से अधिक हो गई और 52 लोग अब भी लापता हैं। देश में कई केंद्रीय शहर और प्रांत संचार एवं बिजली सेवा ठप होने से जूझ रहे हैं तथा भोजन एवं पानी के लिए गुहार लगा रहे हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। दक्षिण चीन सागर में शुक्रवार को दस्तक देने से पहले भीषण तूफान में हवाओं की सबसे तेज गति 195 किलोमीटर (121 मील) प्रति घंटा थी और 270 किलोमीटर प्रति घंटे (168 मील प्रति घंटे) की रफ्तार से झोंके चल रहे थे। राष्ट्रीय पुलिस के अनुसार, कम से कम 208 लोग मारे गए, 52 लोग लापता हैं और 239 लोग घायल हुए है। मृतक संख्या बढ़ने की आशंका थी क्योंकि कई कस्बे और गांवों में संचार ठप होने, बिजली की कटौती और बंद सड़कों के कारण संपर्क टूट गया था। हालांकि बेहतर मौसम के साथ बड़े पैमाने पर सफाई और मरम्मत के प्रयास चल रहे थे। मरने वालों में से कई पेड़ या दीवार गिरने की चपेट में आ गए, कई अचानक आई बाढ़ में डूब गए या भूस्खलन में जिंदा दब गए। पुलिस ने कहा कि नेग्रोस ऑक्सिडेंटल प्रांत में 57 वर्षीय एक व्यक्ति को पेड़ की शाखा से लटका पाया गया और एक महिला हवा में उड़ गई और उसकी मौत हो गई। दक्षिणपूर्वी प्रांतों में शामिल एवं आंधी की चपेट में सबसे पहले आने वाले, दीनागट द्वीप समूह की गवर्नर अर्लीन बाग-आओ ने कहा कि 1,30,000 से अधिक की आबादी वाले द्वीप प्रांत में 'राय' की क्रूरता तूफान 'हैयान' से भी बदतर थी, जो रिकॉर्ड में सबसे शक्तिशाली और सबसे घातक तूफान में से एक है और जिसने नवंबर 2013 में मध्य फिलीपीन को तबाह कर दिया था, लेकिन दीनागट में कोई हताहत नहीं हुआ था। बाग-आओ ने कहा कि छतों, मलबे और कांच के टुकड़ों के उड़ने से कम से कम 14 ग्रामीणों की मौत हो गई और 100 से अधिक अन्य घायल हो गए और दीनागट के क्षतिग्रस्त अस्पतालों में अस्थायी सर्जरी कक्षों में उनका इलाज किया गया। उन्होंने कहा कि अगर तूफान आने से पहले उच्च जोखिम वाले गांवों से हजारों निवासियों को नहीं निकाला गया होता तो कई और लोग मारे जाते।

ओमीक्रोन के डर के बीच इजराइल के पीएम का अनुरोध, कहा- बच्चों का टीकाकरण आवश्यक

यरूशलम। (एजेंसी)। इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने देशवासियों से अनुरोध किया है कि वे कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर अपने बच्चों का टीकाकरण कराएं। इस बीच, इजराइल के अधिकारी यात्रा प्रतिबंधों को विस्तार देकर अमेरिका को भी इस दायरे में लाने की तैयारी कर रहे हैं। बेनेट ने रविवार को टेलीविजन के माध्यम से देश को संबोधित करते हुए कहा कि देश में नए स्वरूप के मामले अपेक्षाकृत कम हैं और इसका कुछ हद तक श्रेय अधिकतर देशों से यात्रियों का प्रवेश प्रतिबंधित करने के शुरुआती कदमों को जाता है, लेकिन मामले बढ़ने में देर नहीं लगेगी।

उन्होंने कहा, ''पांचवी लहर शुरू हो गई है।'' उन्होंने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि माता-पिता अपने बच्चों का टीकाकरण कराएं। इजराइल में पिछले महीने पांच साल से 12 साल तक के बच्चों का टीकाकरण शुरू हो गया था, लेकिन प्राधिकारियों का कहना है कि इस आयुवर्ग में टीकाकरण की दर निराशाजनक रूप से कम है।'' बेनेट ने कहा, ''बच्चों को टीका लगाना सुरक्षित है और टीकाकरण कराना माता-पिता की जिम्मेदारी है। जिन माता-पिता ने तीनों खुराक ले ली है, उन्हें अपने बच्चों को भी सुरक्षित करने की आवश्यकता है।'' इजराइल में इस साल की शुरुआत में टीकाकरण आरंभ होने के बाद से देश की कुल 93 लाख आबादी में से 41 लाख से अधिक लोगों ने फाइजर/बायोएनटेक टीके की तीसरी खुराक ले ली है। देश में ओमीक्रोन संक्रमण के अब तक 134 मामले सामने आ चुके हैं।

इजराइल ने ओमीक्रोन का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए पिछले महीने अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमाएं बंद कर दी थी। अन्य देशों के नागरिकों को देश में प्रवेश की अनुमति नहीं है और विदेशों से आने वाले इजराइलियों के लिए पृथक-वास में रहना अनिवार्य है। इजइराल ने कोरोना वायरस के अत्यधिक मामलों वाले देशों को 'रेड' श्रेणी में रखा है और इजइरालियों का इन देशों में जाना प्रतिबंधित है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को सिफारिश की कि अमेरिका और कनाडा को भी इस सूची में शामिल किया जाए। इस संबंध में बुधवार को निर्णय किए जाने की संभावना है।

Year Ender 2021 : सत्ता से बेदखल हुए ट्रंप, अमेरिका के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति बने बाइडन, भारतीय मूल की कमला हैरिस बनीं उपराष्ट्रपति

वाशिंगटन (एजेंसी)। 20 जनवरी, 2020 को जो बाइडन ने अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति पद की शपथ ली। एक राजनीतिक समारोह में बाइडन और उप राष्ट्रपति के तौर पर चुनी गईं कमला हैरिस ने अपने पद की शपथ ली थी। देश के मुख्य न्यायाधीश जान राबर्ट्स ने बाइडन को शपथ दिलाई थी। 78 वर्षीय बाइडन अमेरिका के सबसे अधिक उम्र के राष्ट्रपति बनने वाले पहले व्यक्ति हैं। शपथ ग्रहण के बाद बाइडन ने अमेरिकी आवाम को संबोधित किया था। उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी लोगों से एकजुट होने की अपील करते हुए अमेरिका को और ताकतवर बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई थी।

1- अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के वक्त कोरोना महामारी का प्रकोप था। कोरोना के कारण इस समारोह में कुछ बदलाव किए गए थे। यहां आए मेहमानों की सूची छोटी की गई थी। वाशिंगटन में लाखों लोग शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होते थे। पूरा शहर भर जाता था। होटलों में जगह नहीं होती थी। वर्ष 2009 में ओबामा पहली बार राष्ट्रपति बने थे, तो राजधानी में 20 लाख लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था, लेकिन कोरोना महामारी के कारण यह उत्सव इतना बड़ा नहीं हुआ था।

2- पहले इस समारोह को देखने के लिए दो लाख टिकट जारी होते थे, लेकिन इस बार पूरे अमेरिका में कोरोना संक्रमण को देखते हुए महज एक हजार टिकट ही जारी किए गए थे। इनागरेशन एक औपचारिक समारोह है। इसके पूरा होते ही राष्ट्रपति के कार्यकाल की शुरुआत हो जाती है। यह समारोह वाशिंगटन डीसी में होता है। समारोह के एकमात्र जरूरी हिस्से के तौर पर राष्ट्रपति अपने पद की शपथ लेते हैं।

3- इस दौरान बाइडन ने पद की शपथ लेते हुए कहा था कि मैं पूरी निष्ठा से यह शपथ लेता हूं कि अपनी पूरी ईमानदारी से अमेरिका के राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी निभाऊंगा। मैं अपनी पूरी क्षमता के साथ अमेरिका के संविधान का संरक्षण, सुरक्षा और बचाव करूंगा। इन शब्दों को पूरा करते ही जो बाइडन अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति बन गए। शपथ समारोह के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। छह जनवरी के उपद्रवियों के कैपिटल हिल में घुस जाने की घटना को देखते हुए तो और सुरक्षा के पुख?ता इंतजाम किए गए थे। इस कार्यक्रम में नेशनल गार्ड के 10 हजार सैनिक तैनात थे।

बाइडन बोले, यह लोकतंत्र की जीत

शपथ ग्रहण के बाद बाइडन ने कहा कि यह जश्न का समय है। यह अमेरिका का दिन है। यह लोकतंत्र की जीत है। आज नया इतिहास बन रहा है। बाइडन ने कहा कि हमने जिंदगी में ढेर सारी चुनौतियां देखी हैं। अमेरिका और उसकी सेना हर चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए तैयार है। मैं पूरे अमेरिका का राष्ट्रपति हूं और सबकी तरक्की खुशहाली और सबकी रक्षा के लिए हूं। बाइडन ने कहा कि आज का दिन अमेरिका का है। यह लोकतंत्र का दिन है। यह इतिहास और आशा का दिन है।

उन्होंने कहा कि आज हम एक उम्मीदवार की जीत का नहीं वरन लोकतंत्र के उद्देश्य की जीत का जश्न मना रहे हैं। जनता की इच्छाओं को सुना और समझा गया है। हम श्वेतों को श्रेष्ठ मानने की मानसिकता और घरेलू आतंकवाद को हराएंगे। मैं चाहता हूं कि प्रत्येक अमेरिकी हमारी इस लड़ाई में शामिल हो।

गौतमबुद्ध नगर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा ने श्री विश्वबंधु जोशी द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया

नई दिल्ली। गौतमबुद्ध नगर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा ने श्री विश्वबंधु जोशी द्वारा लिखित पुस्तक 'हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन फ्रॉम द पर्सपेक्टिव ऑफ नॉन मेडिकल एक्जीक्यूटिव्स ''द अनसंग हीरोज'' Hospital Administration from the perspective of Non-Medical E&ecu-tives- The Unsung Heroes) का विमोचन किया। इस अवसर पर डॉ महेश शर्मा ने नॉन मेडिकोज (गैर चिकित्सक) द्वारा किए जाने वाले कार्यों की सराहना की और आशा व्यक्त की कि इस पुस्तक से स्वास्थ्य कर्मी प्रेरणा लेंगे और अपनी उत्तम सेवाएं देकर समाज को लाभान्वित करेंगे।

जब पूरा देश कोविड महामारी से जूझ रहा था तब डॉक्टरों के साथ साथ गैर चिकित्सक यानी नॉन मेडिकल स्टाफ ने भी अपनी जान खतरे में रखकर मरीजों की जान बचाई।

इस पुस्तक में श्री विश्वबंधु जोशी ने लिखा है कि अस्पताल में सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार के लिए जहां औसतन 30 से 35 प्रतिशत चिकित्सक काम करते हैं वहीं 65 से 70 प्रतिशत नॉन मेडिकोज भी काम करते हैं, जिनमें प्रशासक, प्रबंधक, फार्मासिस्ट, पैरामेडिकल स्टाफ आदि शामिल हैं। सही मायनों में दोनों एक दूसरे के पूरक हैं।

लेकिन जब समाज सेवा के लिए सम्मान आदि की बात होती है तो चिकित्सकों को उनके स्वास्थ्य सेवा में योगदान के लिए पुरस्कार/सम्मान दिया जाता है जबकि गैर चिकित्सकों का योगदान किसी से भी कम नही होता।

लेखक ने किताब में अस्पताल के विभिन्न विभागों और उनके सामने आने वाली समस्याओं पर भी चर्चा की है। इसमें विस्तार से बताया गया है कि कैसे अस्पताल प्रशासन समस्याओं और चुनौतियों का सामना करता है और उसका समाधान निकालता है।

वे अपनी किताब में लिखते हैं कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में नॉन मेडिकोज के अमूल्य योगदान को मान्यता दी जानी चाहिए। इस विषय में नॉन मेडिकोज द्वारा किये जाने वाले कार्य से संबंधित सेमिनार आदि होने चाहिए तथा डॉक्टर्स डे व नर्सेस डे की तरह ही नान मेडिकोज डे भी मनाया जाना चाहिए।

विश्व बंधु जोशी, नोएडा के कैलाश ग्रुप आफ हॉस्पिटल्स में वरिष्ठ प्रबंधक हैं। उन्हें स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में 20 वर्ष से अधिक का अनुभव है। पुस्तक का प्रकाशन ब्लू रोज पब्लिशर (दिल्ली, लंदन) द्वारा किया गया है।

मुहल्ला क्लीनिक डॉक्टरों की अयोग्यता से गई तीन बच्चों की जान : बिधूड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि दिल्ली सरकार के मुहल्ला क्लीनिकों की एक बार फिर पोल खुल गई है। दिल्ली के मुहल्ला क्लीनिकों में गलत दवा देने से तीन बच्चों की मौत हो गई है और अनेक बच्चे बीमार हो गए हैं। गलत दवा का शिकार बने बच्चों की संख्या इससे भी कहीं ज्यादा हो सकती है। इससे मुहल्ला क्लीनिकों में काम कर रहे डॉक्टरों की योग्यता भी संदेह के घेरे में आ गई है। बिधूड़ी ने उपराज्यपाल से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष एजेंसी से जांच कराई जाए।

बिधूड़ी ने कहा कि चार साल से कम उम्र के बच्चों को डिस्ट्रोमेथोर्फन सिरप नहीं दी जा सकती लेकिन दिल्ली के मुहल्ला क्लीनिकों के डॉक्टर छोटे बच्चों को ये दवा लिखकर दे रहे थे। यह मामला तब खुला जब कलावती सरन अस्पताल में डिस्ट्रोमेथोर्फन सिरप के पॉइजनिंग की वजह से 17 बच्चे दाखिल हुए और उनमें से 3 बच्चों की मौत हो गई। पता चला कि सभी बच्चों को मोहल्ला क्लीनिकों के डॉक्टरों ने ही यह दवा लिखकर दी थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार के डायरेक्टर हैल्थ सर्विसेज को बताया कि यह दवा बच्चों को नहीं दी जा सकती। दिल्ली के डायरेक्टर हैल्थ सर्विसेज ने भी माना है कि बच्चों को यह दवा लिखकर दी जा रही थी लेकिन केंद्र सरकार के निर्देश के बाद अब इस सिरप का इस्तेमाल बंद किया गया है।

- बड़ों की दवाई दे दी छोटे बच्चों को, संख्या हो सकती है और भी ज्यादा
- मुहल्ला क्लीनिकों की फिर से खुल गई पोल, मामले की कराई जाए जांच

नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाया कि जब यह दवा छोटे बच्चों के लिए रिकमेंड नहीं की जाती तो आखिर मुहल्ला क्लीनिकों के डॉक्टर इसे क्यों लिख रहे थे। क्या मुहल्ला क्लीनिकों के डॉक्टर इतने योग्य नहीं हैं कि उन्हें यह भी पता हो कि कौन-सी दवा किसे देनी है और किसे नहीं? उन्होंने कहा कि अभी सिर्फ वही मामले सामने आए हैं जिन्हें कलावती सरन अस्पताल में रिपोर्ट किया गया। इस दवा के कारण कितने बच्चे अस्पताल तक पहुंच ही नहीं पाए और कितने दूसरे अस्पतालों में गए, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। बिधूड़ी ने कहा कि मुहल्ला क्लीनिक का सारा रिकॉर्ड तो वहां के डॉक्टरों के टैब में होता है। इसलिए यह पता लगाया जाना जरूरी है कि आखिर कितने बच्चों को यह दवा दी गई, कितने बीमार हुए और कितनों की मौत हुई। इन सारे परिवारों को दिल्ली सरकार की तरफ से मुआवजा दिया जाए।

बिधूड़ी ने कहा कि मुहल्ला क्लीनिकों को दिल्ली की स्वास्थ्य सुविधाओं में क्रांति कहा जाता है और पूरे विश्व में इसका झूठा प्रचार किया जाता है लेकिन अब फिर ये क्लीनिक सिर्फ कबाड़ ही साबित हुए हैं। कोरोना काल में यहां टेस्ट तो दूर, दवाइयां तक नहीं बांटी जा सकीं। उस दौरान सारे मुहल्ला क्लीनिक बंद हो गए थे। यमुनापार में दिलशाद गार्डन के एक डॉक्टर दम्पती जो कि मुहल्ला क्लीनिक में नियुक्त हैं, उनकी नासमझी से सैकड़ों लोगों में कोरोना फैलने की बात भी सामने आई थी। इससे यह भी पता चलता है कि मुहल्ला क्लीनिकों में डॉक्टरों की नियुक्ति का आधार भी योग्यता नहीं बल्कि कुछ और ही है। इसलिए मुहल्ला क्लीनिकों के कामकाज और इस ताजी घटना को जोड़कर पूरे मामले की जांच कराई जानी चाहिए।

मोदी सरकार का असली चाल, चरित्र और चेहरा दुनिया के सामने पूरी तरह से बेनकाब हो गया है: श्रीनिवास बी वी

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी और गिरफ्तारी की मांग को लेके भारतीय युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने आज राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी के नेतृत्व में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी और गिरफ्तारी की मांग को लेके केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने कहा कि भाजपा की क्रोनोलॉजी देश समझ चुका है, अब भाजपा की कुचलो और बर्बाद करो की नीति नहीं चलेगी। देश लखीमपुर खीरी नरसंहार में मृत किसानों को न्याय दिलाने के लिए मंत्री को बर्खास्त करने की मांग कर रहा है।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के प्रिय मंत्री लखीमपुर खीरी नरसंहार से कुछ दिन पहले सुधर जाओ, नहीं तो सुधार देंगे' की धमकी दे रहे थे और इसके कुछ दिन बाद लखीमपुर खीरी नरसंहार को अंजाम दिया जाता है। प्रधानमंत्री के भाषण सत्य से परे होते हैं, भाषणों में किसानों की तारीफ करने वाले प्रधानमंत्री बताएं- लखीमपुर खीरी नरसंहार के अभियुक्त के पिता को मंत्री पद से बर्खास्त क्यों नहीं कर रहे हैं? लखीमपुर खीरी नरसंहार में मंत्री पुत्र की संलिप्तता साबित हो चुकी है, इसके बाद भी सरकार और प्रशासन अन्याय करने में लगी है इसलिए आवाज उठाना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा की राजनीति के अपराधीकरण के बारे में 2014 के चुनाव से पूर्व मोदी जी कितनी बड़ी-बड़ी बातें किया करते थे, लेकिन आज उनकी सरकार अपराधी प्रवृति के लोगों के संरक्षण में सबसे आगे खड़ी है। मोदी सरकार का असली चाल, चरित्र और चेहरा दुनिया के सामने पूरी तरह से बेनकाब हो गया है। जनता को यह बात समझ नहीं आ रही है कि मोदी सरकार ऐसे अपराधी प्रवृति के गृह राज्य मंत्री को बचा क्यों रही है।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने यह भी कहा कि मोदी सरकार का खेल जनता अच्छे से समझ रही है। लखीमपुर खीरी नरसंहार कांड के दोषियों को बचाने के लिए सरकार जिस स्तर पर उतर आई है किसी से छिपा नहीं है। गृह राज्यमंत्री को अब तक पद से बर्खास्त ना करके भाजपा आलाकमान ने अपना किसान विरोधी चेहरा उजागर कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा की जब तक ग्रह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी इस्तीफा नहीं देते तब तक हम इन्हें छोड़ेंगे नहीं।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल राव ने कहा कि पूरा देश आज यह सवाल पूछ रहा है कि आखिर मोदीजी की क्या मजबूरी है, जो वह अजय मिश्र टेनी को बर्खास्त नहीं कर पा रहे हैं। अजय मिश्र टेनी को लेकर जो प्यार पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह दिखा रहे हैं, उसे देशवासी ना कभी भुला पाएंगे ना माफ कर पाएंगे। अनेकों युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी के इस्तीफे की मांग को लेके सांसद भवन पर प्रदर्शन करने जा रहे थे की जब दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर सभी को रोक लिया और कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी लिया है।

इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल राव, राष्ट्रीय सचिव और दिल्ली सह प्रभारी खुशबू शर्मा, राष्ट्रीय सचिव शिवी चौहान, विनीत कंबोज, हेमंत उगले, दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष रणविजय सिंह लोचव, समेत अनेकों युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

8वें कर्मयोगी पुरस्कार 2021 समारोह का आयोजन

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर भारत से जुड़े विषयों पर काम करने वाले सामाजिक संगठन माय होम इंडिया ने (My Home India) रविवार को 8वें कर्मयोगी पुरस्कार 2021 समारोह का आयोजन किया। इस साल का पुरस्कार स्वामी चितरंजन देबबर्मा (Swami Chittaranjan Debbarma) को दिया गया है, जो एक प्रख्यात जनजातीय धार्मिक नेता और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। नई दिल्ली विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में स्वामी देबबर्मा को गंगा महासभा के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कर्मयोगी पुरस्कार से सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ। भागवत किशनराव कराड पहुंचे। जबकि सारस्वत सहकारी बैंक के अध्यक्ष गौतम ठाकुर विशिष्ट अतिथि थे।

कर्मयोगी पुरष्कार प्राप्त करने वाले स्वामी चितरंजन देबबर्मा एक संन्यासी हैं और लंबे समय से त्रिपुरा के शान्तिकाली आश्रम से जुड़े हैं। 22 जनवरी 1962 को बारकथाल (त्रिपुरा) में जन्मे देबबर्मा ने अपनी औपचारिक शिक्षा के बाद पंचायत सचिव के रूप में सेवा में प्रवेश किया (8th Karmayogi Award)। पंचायत सचिव रहते हुए उन्हें एक यात्रा में स्वामी काली जी से मिलने का मौका मिला और उनके जीवन सिद्धांतों से प्रभावित होकर वे उनके शिष्य बन गए। स्वामी काली की उग्रवादियों ने हत्या कर दी थी। जिसके बाद स्वामी चितरंजन देबबर्मा ने आश्रम का कार्यभार संभाला। बीते कई दशकों से त्रिपुरा के सुदूर और आदिवासी इलाकों में स्वामी चितरंजन देबबर्मा आदिवासियों के कल्याण, सामाजिक उत्थान, शिक्षा, स्वास्थ्य और जैविक कृषि, टेलरिंग, कौशल विकास जैसे अनेक कार्य कर रहे हैं। कर्मयोगी अवार्ड की आयोजनकर्ता स्वामी विवेकानंद समिति के मुताबिक, स्वामी चितरंजन दास ने आदिवासी अंचलों में वंचित वर्ग के जीवन में बदलाव की नयी पहल की है। स्वामी चितरंजन देबबर्मा ने अपना पूरा जीवन समाज के लिए समर्पित करने के लिए अपना परिवार छोड़ दिया, कोविड-19 के महामारी (Covid-19 Pandemic) के कठिन दौर में मानवता के उनके अमूल्य कार्य किसी के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत हैं।

पहले भी अनेकों सम्मान से नवाजे गए

स्वामी चितरंजन देबबर्मा को उनके धार्मिक और सामाजिक कार्यों के लिए पूर्व में भी अनेकों सम्मान से नवाजा जा चुका है, जिसमें पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति की ओर से साल 2019 का कृष्ण चंद्र गांधी सम्मान उल्लेखनीय है। इस सम्मान समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित करते हुए त्रिपुरा के मुख्यमंत्री विप्लव देब (Tripura CM Biplab Kumar Deb) ने पिछले कुछ दशकों में त्रिपुरा में चरमपंथ और उग्रवादी घटनाओं को याद करते हुए चितरंजन देवबर्मा के मानवता के प्रति योगदान को याद किया।

केंद्रीय मंत्री ने पहल की सराहना की

केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू (Kiren Rijiju) और त्रिपुरा के उप मुख्यमंत्री जिष्णु देवबर्मा (Jishnu Dev Varma) ने भी अपने वीडियो मेसेज में माय होम इंडिया की सुदूर उत्तर पूर्व में वंचितों के कल्याण करने वालों को सम्मान देने की पहल की सराहना की। माय होम इंडिया के संस्थापक सुनील देवधर ने भी देश के सबसे दूरस्थ क्षेत्र में हाशिए पर रहने वाले लोगों के जीवन को बदलने वाले, 18 वर्षों तक लगातार NFLT उग्रवादी संगठन से खतरों के बीच भी निरंतर कार्यशील रहने वाले चितरंजन देवबर्मा को सम्मानित करते हुए कहा कि उन्हें गर्व की अनुभूति हो रही है।

किसान आंदोलन के दौरान नहीं किया सहयोग, जाट आरक्षण संघर्ष समिति ने यशपाल मलिक को हटाया

नई दिल्ली। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में जाटों को शामिल करने की मांग को लेकर आंदोलन की अगुवाई करने वाली अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति (एआईजेएएसएस) ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल मलिक को पद से हटाने की घोषणा की और समिति से उनकी प्राथमिक सदस्यता भी रद्द कर दी। मलिक को किसान आंदोलन में उनकी कथित गैर-जिम्मेदार भूमिका के लिए हटाने का भी शामिल है। उन्होंने कहा कि मलिक ने हरियाणा में जाट आंदोलन को फिर से शुरू करने की कोशिश की, जब किसानों का आंदोलन अपने चरम पर था।

सुप्रीम कोर्ट ने निपटाया जयपुर राजघराने में बंटवारे का मामला

नई दिल्ली। जयपुर राज परिवार के सदस्यों के बीच कीमती संपत्तियों के बंटवारे पर लंबे समय से चल रहा विवाद सुप्रीम कोर्ट ने निपटा दिया। कोर्ट ने सेवानिवृत्त जज कुरियन जोसेफ को मध्यस्थ नियुक्त कर उनकी सीलबंद रिपोर्ट के आधार पर जय महल होटल और रामबाग होटल के स्वामित्व विवाद निपटाया। लॉ फर्म प्राइम लीगल इंडिया के वकील अभिषेक कुमार राव ने बताया कि महारानी गायत्री देवी के वारिस उनके मुवक्किल महाराज देवराज और राजकुमारी लालित्य को अपने सौतेले अंकल से लग्जरी जय महल पैलेस होटल का स्वामित्व मिल जाएगा। यह 1997 से उनके पास था।

जस्टिस आर सुभाष रेड्डी और जस्टिस हृषिकेश रॉय की बेंच ने पूर्व जस्टिस कुरियन को सितंबर 2021 को मध्यस्थ नियुक्त किया था। उन्होंने दोनों पार्टियों के बीच समझौते पर हस्ताक्षर करा इसे 15 दिसंबर को कोर्ट में पेश कर दिया। इस पर दोनों पार्टियों के वकीलों ने अपनी अपीलें वापस लेने की अर्जी दी। अदालत ने दोनों पक्षों को दृढ़ रहने की नसीहत देते हुए इनका निपटारा कर दिया। इससे पूर्व, राजकुमार देवराज और लालित्य कुमारी ने नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल के 2018 के निर्णय को पिछले साल दायर अलग अपीलों में चुनौती दी थी।

- जस्टिस आर सुभाष रेड्डी और जस्टिस हृषिकेश रॉय की बेंच ने पूर्व जस्टिस कुरियन को सितंबर 2021 को मध्यस्थ नियुक्त किया था। उन्होंने दोनों पार्टियों के बीच समझौते पर हस्ताक्षर करा इसे 15 दिसंबर को कोर्ट में पेश कर दिया।

प्याज घोटाले की जांच करने वाली IAS अफसर का ट्रांसफर, छुट्टी के दिन हो गया ऐक्शन

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार के मामले में जांच का आदेश देने वाली एक वरिष्ठ आईएएस अफसर कल्पना श्रीवास्तव का ट्रांसफर कर दिया गया। उन्होंने हार्टीकल्चर डिपार्टमेंट से जुड़े दो करोड़ रुपए के प्याज खरीद घोटाले में जांच का आदेश दिया था। फिलहाल कल्पना को नई जगह पर पोस्टिंग नहीं मिली है। इसके अलावा निदेशालय में बतौर कमिश्नर पोस्ट एक आईएफएस अफसर का भी ट्रांसफर कर दिया गया है।

राज्य कर्मचारी संघ ने किया विरोध

छुट्टी के दिन आईएएस अफसर कल्पना श्रीवास्तव के तबादले के आदेश से खलबची मच गई है। समाचार पत्र के मुताबिक जिस प्याज घोटाले में जांच का आदेश दिया गया है, उसमें इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने दो दिन पहले ही प्राथमिक जांच का आदेश भी दे दिया है। वहीं मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने इस तबादले का विरोध करते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। गौरतलब है कि कल्पना

श्रीवास्तव को अब तक के कार्यकाल में अपने बेहतरीन काम के लिए कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं। कल्पना ने एक किसान मुकेश पाटीदार द्वारा शिकायत के बाद मामले में जांच का आदेश दिया था। किसान के मुताबिक प्याज खरीद में तमाम नियमों को दरकिनार किया गया है। यह खरीदारी नेशनल हार्टीकल्चर मिशन के तहत की गई थी।

साजिश की आशंका-ईओडब्लू को इस मामले की जानकारी वरिष्ठ हार्टीकल्चर डेवलपमेंट अफसर महेश प्रताप सिंह बुंदेला ने दी थी। बुंदेला के मुताबिक प्रिंसिपल सेक्रेट्री ने इस घोटाले का पर्दाफाश किया था। एक ईमानदार अफसर को इस तरह से हटाया जाना ठीक नहीं है। यह मामले की तरफ से ध्यान हटाने के लिए कोई साजिश हो सकती है। गौरतलब है कि हार्टीकल्चर निदेशालय अक्सर विवादों में रहा है। हाल ही में एक बेहद गोपनीय फाइल भी लीक हो गई थी, जिसके बाद कई लोगों को सस्पेंड कर दिया गया था। यह फाइल इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट हार्टीकल्चर मिशन (एमआईडीएच) से जुड़ी हुई थी।

खुले में नमाज के विरोध में उतरे हिंदू संगठन, 'घर वापसी' की पेशकश

गुरुग्राम। शहर में खुले में नमाज को लेकर चल रहे मुद्दे के जवाब में हिंदू संगठनों ने 'घर वापसी' का फार्मूला अपनाया है। खुले में नमाज के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की अगुवाई कर रही संयुक्त हिंदू संघर्ष समिति ने मुस्लिमों को हिंदू धर्म अपनाने की पेशकश की है। संयुक्त हिंदू संघर्ष समिति के अध्यक्ष महावीर भारद्वाज ने कहा, यहां अधिकांश गैर-प्रवासी मुसलमानों के हिंदू पूर्वज थे और उनका धर्म परिवर्तन किया गया था। हम उन्हें 'घर वापसी' की पेशकश करते हैं। यदि कोई स्वेच्छा से अपने पूर्वजों के धर्म में लौटने को तैयार है तो हम उनकी सहायता और स्वागत करेंगे। यदि बहुत से लोग रुचि रखते हैं, तो हम एक सामूहिक 'घर वापसी' का आयोजन करेंगे और उन पर 'गंगाजल' छिड़केंगे। इसके साथ उनके पास प्रार्थना करने के लिए स्थानों की कोई कमी नहीं होगी क्योंकि वे मंदिरों में प्रार्थना कर सकते हैं। समाचार पत्र के मुताबिक, समिति के इस प्रस्ताव से अन्य समुदाय के लोगों में उबाल है। उन्होंने शहर में सांप्रदायिक तनाव से पहले तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। नूह विधायक आफताब अहमद ने कहा, आप और क्या उम्मीद करते हैं जब सीएम खुद इस तरह के व्यवहार का समर्थन करते हैं? उनकी असहिष्णु टिप्पणी ने स्थिति को भड़का दिया है। अब, उनकी तरफ से एक सौहार्दपूर्ण समाधान प्रदान करने की बारी है जिसके बारे में उन्होंने बात की थी। नमाज के लिए सार्वजनिक स्थानों का उपयोग किया जाता है क्योंकि हमारे पास शहर में पर्याप्त मस्जिदें नहीं हैं। गौरतलब है कि गुरुग्राम में 13 मस्जिदें हैं जिनमें 5,000 लोग नमाज पढ़ सकते हैं। हालांकि वक्फ बोर्ड की कई संपत्तियां हैं, लेकिन अधिकांश पर कब्जा कर लिया गया है और मुकदमेबाजी चल रही है।

भीषण ठंड से पूरा उत्तर भारत ठिठुरा, अगले तीन दिन राहत के आसार नहीं

नई दिल्ली। पहाड़ों पर बर्फबारी से दिल्ली-एनसीआर सहित पूरा उत्तर भारत भीषण सर्दी की गिरफ्त में है। राजस्थान के अधिकांश इलाकों में तापमान शून्य से नीचे चला गया है। उधर, दिल्ली में रविवार को शीतलहर ने दस्तक दे दी। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार की सुबह इस मौसम की सबसे सर्द सुबह रही और न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्यिस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले तीन दिन तक जमाने वाली ठंड से उत्तर भारत में राहत के कोई आसार नहीं हैं। मौसम विभाग ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, गिलगित-बाल्टिस्तान, पंजाब-हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश उत्तराखंड भीषण ठंड की चपेट में हैं। राजस्थान के कई इलाकों में लगातार दूसरे दिन तापमान शून्य से नीचे रहा। उत्तराखंड के कुछ हिस्से में घना

कोहरा छाया रहा। दिल्ली में इस मौसम का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया। सफदरजंग मौसम केंद्र पर तापमान 4.6 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस नीचे था। वहीं लोदी रोड मौसम केंद्र में तापमान 3.6 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग का अनुमान है कि उत्तर भारत में अगले तीन दिन तक भीषण शीतल लहर जारी रहेगी।

दिल्ली में 24-25 को होगी बूंदाबांदी

मौसम विभाग के महानिदेशक आर के जनमानी ने कहा, शीत लहर से 21 दिसंबर के बाद राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि 24 और 25 दिसंबर को बूंदाबांदी हो सकती है। जनमानी ने कहा, 22 दिसंबर से पश्चिमी हलचल के बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट शुरू हो जाएगी। दिल्ली में भी सोमवार के बाद तापमान बढ़ना शुरू हो जाएगा। राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के लिए येलो अलर्ट जारी किए गए हैं।

चूरू, फतेहपुर में दूसरे दिन भी तापमान शून्य से नीचे

मौसम विभाग ने रविवार को कहा कि बर्फीली हवाओं के कारण राजस्थान के फतेहपुर और चूरू में तापमान लगातार दूसरे दिन शून्य से नीचे दर्ज किया गया। फतेहपुर में रविवार को तापमान माइनस 4.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि चूरू में तापमान माइनस 2.6 डिग्री सेल्सियस रहा। चूरू में पिछले 12 साल में यह सबसे कम न्यूनतम तापमान है। इसके अलावा सीकर में तापमान माइनस 2.5 डिग्री सेल्सियस रहा। राज्य में 36 स्थानों पर न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया।

संपादकीय

पाक में आतंकी ठिकाने

अब अमेरिका ने भी मान लिया है कि पाकिस्तान में आतंक की पाठशाला जारी है। हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने आतंकवाद पर देशों की रिपोर्ट 2020 जारी की। वैसे इसमें कोई नई बात नहीं है, भारत तमाम अंतर्राष्ट्रीय मंचों से यह बात दोहराता रहा है कि क्षेत्र में आतंक फैलाने के मकसद से पाकिस्तान में कुख्यात आतंकवादियों के ठिकाने बने हुए हैं, जिनको सत्ता प्रतिष्ठानों, सेना व आईएसआई की मदद मिलती है। लेकिन फिलहाल चीन के पाले में गहरे तक घुस चुके और अफगानिस्तान में अमेरिकी अभियानों को पलीता लगाने के चलते अमेरिका ने पाक से किनारा किया हुआ है। अब जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति का एक साल का कार्यकाल पूरा होने को है, उन्होंने पाक प्रधानमंत्री को नजरअंदाज करते हुए एक बार भी फोन नहीं किया। सही मायनों में अफगानिस्तान के घटनाक्रम के बाद पाक की दुरभिसंधि की कलई दुनिया के सामने खुल गई। अब जाकर अमेरिका को अहसास हुआ कि पाक अमेरिका से मदद लेकर तालिबान को मजबूत करता रहा। इन हालात में अमेरिका ने भारत के उन आरोपों पर मोहर लगा दी है, जिसमें हम कहते थे कि पाक आतंकवादियों की उर्वरा भूमि है। बहरहाल, आतंकवाद पर अमेरिकी रिपोर्ट दुनिया के सामने पाक को बेनकाब करने के लिये काफी है जो उसके इस झूठ से पर्दा हटाता है कि वह आतंकवादी समूह पर नकेल कसने के लिये पर्याप्त कार्रवाई कर रहा है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र व अमेरिका द्वारा घोषित कुख्यात आतंकवादी पाक में हक्कानी नेटवर्क, लश्कर व जेईएम आदि संगठनों में बेरोक-टोक काम कर रहे हैं।

अब तक पाक आतंकवादियों को फंडिंग करने वाले देशों की निगरानी करने वाली अंतर्राष्ट्रीय संस्था एफएटीएफ को यह जताता रहा है कि वह आतंकवादियों की वित्तीय मदद रोकने के लिये कदम उठा रहा है, लेकिन अमेरिकी रिपोर्ट ने सच सामने ला दिया है, जिससे पाक के एफएटीएफ की काली सूची में शामिल होने का खतरा बढ़ गया है। अमेरिकी रिपोर्ट में सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि कुख्यात आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट में भारतीय मूल के 66 लड़ाके शामिल हैं। साथ ही वर्ष 2020 के दौरान कोई भी विदेशी आतंकवादी लड़ाका भारत नहीं लौटा जो निस्संदेह देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिये बड़ी चुनौती है। हालांकि, अमेरिका ने रिपोर्ट में कहा है कि एनआईए समेत कई भारतीय आतंकवाद-रोधी एजेंसियां सक्रियता से अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय आतंकवादी ताकतों का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिये सराहनीय काम कर रही हैं। इसके बावजूद भारतीय एजेंसियों को अधिक चौकस रहने व राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी चार्टर को मजबूत बनाने की जरूरत है। भारत तमाम वैश्विक मंचों पर पाक में आतंकवादियों के ठिकाने होने की बात उठाता रहा है, लेकिन पाक पर नकेल डालने की गंभीर कोशिश अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नहीं हुई है। बहरहाल, अमेरिका ने कहा है कि वह भारत सरकार के साथ रणनीतिक साझेदारी जारी रखेगा। इसके अंतर्गत द्विपक्षीय संबंधों के जरिये आतंकवाद-रोधी संयुक्त कार्यबल को मजबूती प्रदान की जा रही है।

स्कूलों में घटते दाखिले

हाल ही में सामने आए एक अध्ययन में यह चिंताजनक बात सामने आई है कि पिछले एक दशक में स्कूलों में दाखिलों के मामलों में करीब 33 लाख की गिरावट आई है। इस स्थिति में तुरंत सुधार लाने की जरूरत है। 2012-13 में शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (यूडीआईएसई) शुरू की गई थी। तब स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या 25.48 करोड़ थी। वर्ष 2019-20 के दौरान यह संख्या 25 करोड़ रह गई। यह बेहद विचारणीय तथ्य है। अध्ययन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (एनआईईपीए) के पूर्व प्रोफेसर अरु ण मेहता ने किया है। कुछ समय पहले एक सरकारी रिपोर्ट में भी स्वीकार किया गया था कि प्राथमिक कक्षाओं के बाद बच्चों के दाखिले में धीरे-धीरे कमी होती जाती है। छठी से आठवीं कक्षा में दाखिला अनुपात जहां 91 फीसद होता है, वहीं नौवीं व दसवीं में यह महज 79.3 फीसद और 11वीं और 12वीं कक्षा के मामले में यह 56.5 फीसद ही रह जाता है। अब नई शिक्षा नीति के तहत सरकार ने छूटते जा रहे बच्चों को दोबारा स्कूल पहुंचाने की बात कही है। कोरोना महामारी के दौरान सरकारी स्कूलों में नामांकन कुछ बढ़ा है, लेकिन कोरोना की वजह से अर्थव्यवस्था पर पड़ी मार और बेरोजगारी प्रमुख वजह हैं स्कूल छूटने की। निजी स्कूलों की बढ़ती फीस आम आदमी की क्षमता से बाहर हो गई है। सरकारी स्कूलों में आधारभूत ढांचे और संबंधित विषयों के शिक्षकों की कमी से छात्रों में भी पढ़ाई के प्रति दिलचस्पी खत्म हो रही है। मिड डे मील और दूसरी सरकारी योजनाओं के कारण बच्चे स्कूल पहुंचते हैं, लेकिन अब कई स्कूलों में ऐसी योजनाएं भी बंद हो गई हैं। माता-पिता का रोजगार छिनने के कारण स्कूलों की फीस नहीं भर पाने की वजह से भारी तादाद में स्कूलों से बच्चों के नाम कट गए हैं, और नये छात्रों का दाखिला नहीं हो सका है। सरकारी स्कूलों में शिक्षक पठन-पाठन की बजाय निजी कामकाज, ट्यूशन और राजनीति में रुचि लेते हैं। नतीजतन, कुछ समय बाद ही पढ़ाई-लिखाई से छात्रों का मोहभंग होने लगता है। ग्रामीण इलाकों में तो अपनी कमजोर आतथक स्थिति की वजह से अभिभावक अपने बच्चों को थोड़ा-बहुत पढ़ाने के बाद ही मजदूरी में लगा देते हैं। इसी कारणदेश में बाल मजदूरी अब तक खत्म नहीं हो सकी है। ऐसे में दाखिलों की दर में गिरावट रोकने के लिए सरकार को ठोस योजना के साथ आगे बढ़ना होगा। स्थिति में तुरंत बदलाव लाया जाना जरूरी है।

परिधि/ राजीव मंड़ल

खेल की बेइज्जती

जवानी के दिनों में पहलवानी करने वाले भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष ब्रजभूषण शरण सिंह उम्र के दूसरे पड़ाव में भी अपनी इस विधा को छोड़ना नहीं चाहते। रांची में चल रही तीन दिवसीय अंडर-15 नेशनल कुश्ती चैंपियनिशप के दौरान उन्होंने मंच पर ही एक खिलाड़ी को थप्पड़ जड़ दिया। खुद खिलाड़ी रह चुके सांसद का यह बर्ताव निहायत ही गैर-जिम्मेदाराना है।

ओलंपिक में मेड़ल जीत कर आए खिलाड़ियों की जहां एक तरफ देश के प्रधानमंत्री सराहना करते हैं, और उनका सम्मान करते हैं, वहीं उन्हीं की पार्टी के एक सांसद एक युवा खिलाड़ी की पीड़ा समझने की बजाय उसे भीड़ के सामने बेइज्जत करते हैं। क्या ऐसे नेता या खेल पदाधिकारी के बर्ताव से नई पीढ़ी खेल के प्रति प्रेरित होगी? क्या यह सांसद होने का बेजा इस्तेमाल नहीं है? अगर खिलाड़ी किसी बात को लेकर जिद कर रहा था- जैसा कि आयोजक बता रहे हैं-तो इसके बावजूद उस खिलाड़ी की परेशानी को शांत होकर सुना जाना चाहिए था। हालांकि कहा जा रहा है कि उन्होंने उसे समझाने की कोशिश की और जिद पर अड़े रहने के बाद सांसद ने उसे थप्पड़ रसीद कर दिया। फिर भी सांसद को खिलाड़ी से मारपीट का हक नहीं है। यह खिलाड़ी से ज्यादा खेल का अपमान है। ऐसे लोगों की वजह से कौन युवा आगे आएगा? आश्चर्य की बात है कि अभी तक पार्टी की तरफ से सांसद के इस सतही और बचकाने आचरण की भर्त्सना तक नहीं की गई है। वैसे भी भाजपा इन दिनों अपने सांसदों के व्यवहार के कारण विपक्षी दलों के निशाने पर है। इससे पहले देश के गृह राज्यमंत्री और भाजपा सांसद अजय मिश्रा टेनी भी अपनी हरकतों से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। सांसद का व्यवहार हमेशा सौम्य और सहज होना चाहिए। कई ऐसे सांसद हैंग जिन्होंने अपने मृदु व्यवहार से हमेशा जनता के दिलों पर राज किया है। शांत, ईमानदार, विषयों की अच्छी समझ और नाप तौल कर अपनी बात कहने वाले सांसदों को सम्मानित करने की भी परंपरा रही है। तकलीफदेह है कि छह बार के सांसद महोदय अपनी वाणी से कमजोर पड़ गए। पता नहीं उन्हें अपने किए पर पछतावा भी होगा या नहीं, मगर एक खिलाड़ी को खेल के मैदान में सैकड़ों की भीड़ के सामने अपनी बेइज्जती की कसक तो ताउम्र रहेगी ही। खिलाड़ी का सम्मान ही खेल का सम्मान होता है। उसी तरह खेल का सम्मान करने से ही खिलाड़ी भी महान होता है। इस प्रकरण ने नि:संदेह खेल को जख्मी किया है।

राजनीतिः राष्ट्र निर्माण का मधुमय अधिष्ठान

हृदयनारायण दीक्षित

अस्तित्व विस्मय पैदा करता है। यह बहरूपिया है। अनेक रूप। अनेक नाम। परिचित है अनेक बिना जाने हुए अपरिचित। प्रत्यक्ष अनुभूति में यह 'लोक' है। नाम रूपों से भरापूरा लोक आलोक में देखा जाता है। इसका अंदरूनी तंत्र भी विराट है। जैसा लोक वैसा तंत्र। इसका हरेक घटक स्वतंत्र जान पड़ता है। लेकिन आंतरिक अनुभूति में प्रत्येक घटक परस्परावलम्बन में है। अस्तित्व नियमबद्ध हैं। वैज्ञानिकों ने भी सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुद्ध आदि ग्रहों को नियमबद्ध पाया है। इस नियमबद्धता के प्रति भी सबके अनुभव भिन्न-भिन्न हैं। ऐसे नियम शाश्वत कहे जा सकते हैं लेकिन प्रकृति ने हरेक प्राणी को कर्म स्वातंत्र्य भी दिया है। इस स्वातंत्र्य के उपभोग की दृष्टि भी भिन्न-भिन्न है। मनुष्य परिस्थितियों का दास नहीं है। प्रकृति और हरेक जीव में अन्तर्विरोध है। प्रकृति ने जीवन का अवसर दिया है लेकिन प्रकृति की शक्तियां जीवन की परवाह नहीं करती। वे अपनी मस्ती और लय में गतिशील हैं। आंधी, भूकम्प, बाढ़ या गर्मी, सर्दी और हिमस्खलन सभी प्राणियों को प्रभावित करते हैं।

सभी प्राणी जीना चाहते हैं। जिजीविषा या जीने की इच्छा भी प्रकृति की ही देन है। मुख्य बात है मनुष्य और प्राणी का कर्म स्वातंत्र्य या विचार स्वातंत्र्य। लोकतंत्र में विचार स्वातंत्र्य ही उच्चतर मूल्य है। विचार प्रकट करने में भाषा की भूमिका है और भाषा-वाणी में संयम और मधुमयता की। भारत में विचार अभिव्यक्ति का स्वातंत्र्य है। लेकिन राजनैतिक दलतंत्र में मधुमयता का अभाव है। यहां आरोप-प्रत्यारोप मर्माहित करते हैं। व्यक्तिगत आरोपों से जनतंत्र को क्षति होती है। आरोपों-प्रत्यारोपों की भी मधुमय अभिव्यक्ति कठिन नहीं। अपमानजनक शब्दों से बचा जा सकता है। सम्मानजनक अभिव्यक्ति के माध्यम से असहमति प्रकट करना ही सम्मानजनक तरीका है। लेकिन दलतंत्र में परस्पर सम्मान का अभाव है।

आखिरकार आरोपों की कटुता का मूल कारण क्या है? क्या भारतीय भाषाएं सम्मानजनक असहमति प्रकट करने का उपकरण नहीं हैं? क्या वे अपर्याप्त है? आखिरकार अपमानजनक शब्दों का चलन राजनीति की अपरिहार्यता है? क्या अपमानजनक कथन से ही सामाजिक या आर्थिक परिवर्तन के लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं? क्या चुनावी जीत के लिए अपमानजनक व्यक्तिगत आरोपों का कोई विकल्प नहीं है? दलतंत्र व्यक्तिगत आरोपों-प्रत्यारोपों को ही क्यों महत्व देता है?

हम विश्व के सबसे बड़े जनतंत्र हैं। तो भी वैचारिक असहमति के प्रकटीकरण में मधुमयता का अभाव है। दलतंत्र मधुरसा नहीं है। यह संस्कृति से प्रेरित नहीं हैं। भारतीय परंपरा मधुमय है। समूचा वैदिक साहित्य मधुरस से लबालब है। प्राचीन भारत में मधुमयता के बोध को मधुविद्या कहा गया है। छान्दोग्य उपनिषद् में मधु विद्या का उल्लेख है। यहां 'सविता-सूर्य को देवताओं का मधु कहा गया है- असौ आदित्यो देवमधु। अन्तरिक्ष मधु का छत्ता है और सूर्य किरणें मधुकरों के पुत्र हैं।' वैदिक पूर्वजों का हृदय मधुमय है। उन्हें सूर्य किरणें भी मधुमय प्रतीत होती हैं। इसी के भाष्य में शंकराचार्य बताते हैं - उस सूर्य रूप मधु की पूर्व दिशागत किरणें पूर्व- मधु नाडियां है ऋचाएं मधुकर हैं। वे मधु उत्पन्न करती है। ऋग्वेद पुष्प है। ऋग्वेद से यश, तेज, बोध और मधुरस आये। सूर्य का रूप तेजस् है, वह रस है।' यह रस मधुमय है। पृथ्वी गंधमय है। जल के बिना जीना असंभव। सूर्य ही मधु रस के दाता विधाता हैं। सूर्य की दक्षिण दिशा को आवृत्त करने वाली रश्मियों को यजुर्वेद की श्रुति बताते हैं और मंत्रों को मधुकर। इसी तरह पश्चिमी-रश्मियों को साम बताते हैं और साम कर्मों को पुष्प। फिर इतिहास-पुराण को भी मधुमय बताते- मधुकृत इतिहास पुराणं। फिर कहते हैं 'ये ही रसों के रस हैं। वेद रस हैं। ये उनके भी रस है। ये अमृतों का अमृत हैं। 'अमृतों का अमृत' प्यारी अनुभूति है। अमृत कोई द्रव्य या पदार्थ नहीं है कि पिये और अमर हो गये। अमृत सम्पूर्णता के साथ सदा अस्तित्वमान रहने की आंतरिक अनुभूति है। वेद-रस उन्हीं 'अमृतों का अमृत' हैं। लोक स्वाभाविक ही मधुरसा है।

बृहदारण्यकोपनिषद् में याज्ञवल्क्य ने मधुमयता का मूलतत्व समझाया है, 'इयं पृथ्वी सर्वेषा भूतानां मध्वस्यै पृथिव्यै सर्वाणि भूतानि मधु- यह पृथ्वी सभी भूतों (मूल तत्वों) का मधु है और सब भूत इस पृथ्वी के मधु।' इसी प्रकार 'यह अग्नि समस्त भूतों का मधु है और समस्त भूत इस अग्नि के मधु हैं।' फिर कहते हैं, 'यह वायु समस्त भूतों का मधु है और समस्त भूत वायु के मधु हैं।' फिर आदित्य और दिशा चन्द्र, विद्युत मेघ और आकाश को भी इसी प्रकार 'मधु' बताते हैं। फिर कहते है 'यह धर्म और सत्य समस्त भूतों का मधु है और समस्त भूत इस सत्य व धर्म के मधु है।' फिर 'मनुष्य को भी इसी प्रकार मधु बताते हैं।' मधु अनुभूति राष्ट्र को मधुमय बनाने की अभीप्सा है। यह मधुमती और मधुरसा है और हमारे पूर्वजों की परम आकांक्षा है। यह भौतिक जगत् का माधुर्य है, दर्शन में परम सत्य है और अंततः सम्पूर्णता है। मनुष्य इसी विराट प्रवाह की मधु इकाई है। मनुष्य को मधुमय आच्छादित होना ही चाहिए। ज्ञान सदा से है। उसका प्रवचन सृष्टि रचना के बाद हुआ। आनंद प्राप्ति की मधुरसा विद्या बहुत पहले से है।

शंकराचार्य अपने भाष्य में बताते हैं 'यह मधु ज्ञान हिरण्यगर्भ ने विराट प्रजापति को सुनाया था। उसने मनु को बताया और मनु ने इक्ष्वाकु को बताया।' भारत में सर्वत्र व्याप्त मधुरस की पहचान और मधुमय मधुविद्या का प्रबोधन लगातार हुआ है। उपनिषद् में कहते हैं अरूण पुत्र उद्दालक को अपने पिता से मिला था।' मधुविद्या और मधु अनुभूति आसान नहीं। सुनना या पढ़ना उधार होता है। अनुभूति अपनी है। गीता के श्रीकृष्ण ने यही ज्ञान परंपरा दोहराते हुए अर्जुन से कहा कि काल के प्रभाव में यह ज्ञान नष्ट हो गया। आधुनिक काल में भी यही स्थिति है।

संवेदनशीलता गहन आत्मीय भाव है। संवेदनशीलता में पशुओं, पक्षियों के दुख भी हम सबको आहत करते हैं। जितनी गहन संवेदना उतनी ही गहन आत्मीयता। वाल्मीकि तमसा नदी के तट पर थे। क्रौंच पक्षी को तीर लगा। तीर पक्षी को लगा, लेकिन उससे भी ज्यादा घायल हुआ वाल्मीकि का अन्तस। उनकी गहन संवेदना में काव्य उगा। भारतीय इतिहास का यह संवेदनशील रूपक विश्व के सभी कवियों, साहित्यकारों के लिए अविस्मरणीय क्षण है। लेकिन हम सबकी संवेदनाएं नहीं जगतीं।

राजनीति राष्ट्र निर्माण का मधुमय अधिष्ठान है। राजनीति सामाजिक कार्य का ही भाग है। सो उसको भी मधुरसा होना चाहिए। हम सब प्राणी, वनस्पतियां, औषधियां और सभी जीव सूर्य के प्रभाव में है। ऋग्वैदिक ऋषि निवेदन करते हैं हम सब विषभाग को सूर्य किरणों के पास भेजते है। वे इस विष से प्रभावित नहीं होते। बताते हैं पक्षी भी विष के प्रभाव में नहीं मरते, हम पर भी विष का प्रभाव नहीं पड़ता- अस्य योजनं हरिष्ठा मधु त्वा मधुला चकार। मधुमयता विष को अमृत बनाती है।'

सूर्य विष निवारण करते हैं। मधुविद्या विष को अमृत बनाती है।' यहां बार-बार मधुविद्या का उल्लेख है। मधुविद्या अमरत्व है। विष और अमृत वस्तुतः मृत्यु और अमरत्व के प्रतीक हैं। जैसे विष सत्य है, अस्तित्व में है, वैसे ही अमृत भी सत्य है, अस्तित्व में है। मृत्यु सत्य है अमृतत्व भी सत्य है। मृत्यु और अमरत्व विरोधी नहीं हैं। दोनों साथ हैं। पक्ष सत्य है, विपक्ष भी सत्य है। सहमति का मूल्य है और असहमति का भी। असहमति के प्रकटीकरण में विष नहीं अमृत भाव चाहिए। विष पीकर शिव होने जैसा प्रगाढ़ भाव।

(लेखक उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष हैं।)

> पक्ष सत्य है, विपक्ष भी सत्य है। सहमति का मूल्य है और असहमति का भी। असहमति के प्रकटीकरण में विष नहीं अमृत भाव चाहिए। विष पीकर शिव होने जैसा प्रगाढ़ भाव।

अंतर्मन

व्यवहार में संवेदनशीलता का मूल्यांकन

सीताराम गुप्ता

मिलने पर अथवा किसी से मिलने जाने पर किसी की कुशलता विषयक जानकारी लेना शिष्टाचार का प्रमुख अंग है। सामान्य बातचीत हो अथवा किसी की मिजाजपुर्सी के लिए जाना हो, प्रायः प्रश्नों का ही आदान-प्रदान होता है। इस दौरान हम जो प्रश्न पूछते हैं, उनसे न केवल ये पता चलता है कि हम शिष्टाचार का पालन करना जानते हैं अथवा नहीं अपितु उनसे हमारी मनोवृत्ति व नीयत का भी पता चल जाता है। किसी के द्वारा पूछे गए प्रश्नों से उनकी मानसिकता ही नहीं, उनमें व्याप्त मानस रोगों का भी पता चल जाता है। इसलिए अनिवार्य है कि प्रश्न पूछते समय हम न केवल सतर्क रहें अपितु सामान्य शिष्टाचार, व्यवहार कुशलता व अवसरानुकूलता का भी ध्यान रखें। दुख के वातावरण में आमोद-प्रमोद की बातें करना व किसी मांगलिक अवसर पर पूरी दुनिया के दुखों की कहानियां लेकर बैठ जाना किसी भी प्रकार से उचित नहीं ठहराया जा सकता लेकिन कुछ लोगों को ऐसा करने में ही आनंद आता है।

वास्तव में किसी का जी दुखाने वाले अथवा किसी को अपमानित करने वाले प्रश्न पूछने वाले लोग कतिपय मनोग्रंथियों के शिकार होते हैं। यदि हम दूसरों के प्रति संवेदनशील हैं व उनके दुख-दर्द से सचमुच दुखी हैं तो हम कभी ऐसे नकारात्मक प्रश्न नहीं पूछ सकते, जिनको सुनकर या जिनका उत्तर देने में सामने वाले को कष्ट हो। साथ ही कोई ऐसी टिप्पणी भी नहीं करते, जिससे सामने वाले की पीड़ा कम होने के बजाय और बढ़ जाए। कई बार कुछ लोग दूसरे लोगों की उपस्थिति में ऐसे प्रश्न पूछ लेते हैं, जिनका जवाब देना कठिन ही नहीं, असंभव होता है। किसी को नीचा दिखने के उद्देश्य से पूछे गए ऐसे प्रश्न तो किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराए जा सकते। यदि हम ऐसा करते हैं तो हममें सामान्य व्यावहारिक गुणों के साथ-साथ मनुष्यता नाम का तत्व भी बिलकुल नहीं माना जा सकता।

कुछ लोग जाएंगे तो दूसरों की मिजाजपुर्सी के लिए लेकिन जितनी देर ठहरेंगे, बात करेंगे सिर्फ अपने और अपने बच्चों के बारे में। न सामने वाले को बोलने का मौका ही देंगे और न उसके घर-परिवार व उससे संबंधित किसी बात को महत्व देंगे। क्या इस प्रकार के व्यवहार व वार्तालाप द्वारा परस्पर स्वस्थ संबंधों का विकास संभव होगा? शायद नहीं। हमें चाहिए कि हम जिससे बात करने पहुंचे हैं, उसको ही नहीं, उससे संबंधित हर व्यक्ति व बात को महत्व दें। उसके विषय में व उसके परिवार के विषय में पूछें। यदि हम किसी की किसी प्रकार की कोई भी मदद नहीं कर सकते तो कम से कम उसको उपेक्षित अनुभव करवाने अथवा उसका जी दुखाने के स्थान पर उसके कंधे पर हाथ रखकर आत्मीयता का प्रदर्शन तो कर ही सकते हैं।

हमें चाहिए कि हम जो बात भी पूछें, इस तरह से पूछें कि बात पूछने में ही अपनापन झलके। कई लोग जब भी बात करेंगे तेरा-मेरा करके ही करेंगे। ज्यादा से ज्यादा शब्द आपका प्रयोग कर लेंगे। पिछले दिनों पुत्र कोविड से संक्रमित होकर गंभीर रूप से बीमार था। उसका हालचाल जानने के लिए प्रायः ही मित्रों व परिचितों के फोन आते थे। इससे बड़ी संतुष्टि मिलती थी कि लोग हमारे साथ खड़े हैं। अनेकानेक लोगों ने हर प्रकार से सहायता भी की। लेकिन साथ ही कई लोगों के व्यवहार व उनकी भाषा और पूछने के ढंग से दुख भी कम नहीं होता था। एक सज्जन प्रायः संदेश भेजकर पूछते थे कि आपका लड़का कैसा है? वी आर वरीड अबाउट योर सन। ये भाषा क्या प्रदर्शित करती है? क्या हममें नाममात्र का भी अपनापन नहीं है? यदि नहीं है तो मिजाजपुर्सी का नाटक करने की ही क्या जरूरत है?

हर व्यक्ति का एक नाम होता है। जब हम किसी का नाम लेकर बात करते हैं तो उसमें आत्मीयता झलकती है। आपका बेटा कौन सी कक्षा में पढ़ता है, ये पूछने की बजाय विकास बेटा कौन सी कक्षा में आ गया है, ये पूछना हर दृष्टि से श्रेयस्कर होगा। कुछ लोगों को जन्मसिद्ध अधिकार ही होता है दूसरों की पीड़ा को बढ़ा देना। वे ऐसे अवसरों की तलाश में रहते हैं जब वे किसी के जले पर नमक छिड़क सकें। ऐसा करके ही उन्हें आत्मिक संतोष मिलता है।

एक युवक जब एमबीबीएस करके घर लौटा तो उसके एक रिश्तेदार ने पूछा कि भई इंजेक्शन तो ठीक से लगाना आ गया ना। अब डॉक्टर इस बात का क्या जवाब देता लेकिन पूछने वाले के मनोभावों और ईर्ष्यालु प्रवृत्ति का वहां उपस्थित सभी लोगों को पता चल गया। यदि कोई ये समझता है कि ऐसा करने से लोग उसकी योग्यता का लोहा मानने लगेंगे या उससे डरने लगेंगे तो ये अत्यंत भ्रामक धारणा है। ऐसे लोगों से लोग बात करना भी पसंद नहीं करते।

जहां तक डरने की बात है लोग ऐसे लोगों से डरने के बजाय उनसे बचने के प्रयास में लगे रहते हैं। यदि सामने वाला भी कोई उस जैसा ही टकरा गया तो लेने के देने भी पड़ सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि बातचीत करते समय अथवा प्रश्न पूछते समय हम स्वयं को शिष्टाचार व व्यावहारिकता की मर्यादा में रखें।

खाद्य पदार्थ

निर्यात मोर्चे पर बढ़ता भारत

रंजना मिश्रा

कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के कारण दुनिया भर के देशों के व्यापार और अर्थव्यवस्थाएं चरमरा गई हैं, और बिगड़ी सप्लाई चेन ने कई देशों के आयात-निर्यात संबंधों को बुरी तरह प्रभावित किया है। ऐसे में देश की अर्थव्यवस्था और आयात-निर्यात को फिर से पटरी पर लाना प्रत्येक देश के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे पटरी पर लौटती दिख रही हैग और निर्यात के मामले में विश्व पटल पर बढ़त बना रही है।

निर्यात के मामले में भारत ने अब बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अरब देशों को फूड एक्सपोर्ट यानी खाने-पीने के सामान निर्यात के मामले में 2020 में भारत पहले पायदान पर पहुंच गया है। पिछले 15 सालों में पहली बार हुआ है, जब भारत खाद्य निर्यात के मामले में पहले स्थान पर पहुंचा है। भारत ने ब्राजील को पीछे छोड़ दिया हैग और अरब देशों के लिए सबसे बड़ा खाद्यान्न निर्यातक बन कर उभरा है। अरब ब्राजील चेंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, कोविड महामारी से 2020 में अरब और ब्राजील के व्यापार में कमी आई है। चेंबर ऑफ कॉमर्स, ब्राजील और अरब के लोगों के आतथक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। अरब देश ब्राजील के महद्मवपूर्ण कारोबारी साझेदार हैं, लेकिन कोरोना महामारी के दौरान ब्राजील ने इन देशों से व्यापार में दूरी बनाई, जिसका उसे भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ब्राजील की अरब देशों से भौगोलिक दूरी भी उसके पिछड़ने का कारण है। महामारी के दौरान चीन ने भी अरब देशों में अपने खाद्य उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाई है। इससे भी इस क्षेत्र में ब्राजील के व्यापार को नुकसान पहुंचा। ब्राजील अपने पारंपरिक शिपिंग मार्गों भारत, तुर्कीग अमेरिका, फ्रांस, अर्जेंटीना आदि से व्यवधान के चलते अपनी जमीन खोता चला गया। इसी का लाभ भारत को मिला। ब्राजील के जहाज जहां सऊदी अरब में एक महीने में पहुंच जाते थे, वहीं अब 2 महीने लग जाते हैं, जबकि भारत इसके काफी करीब होने की वजह से महज एक हफ्ते में फल, सब्जियां, चीनीग अनाज और मीट आदि वहां पहुंचा देता है। ब्राजील से निर्यात कम होने से सऊदी अरब ने घरेलू उत्पादन पर जोर दिया और भारत जैसे विकल्पों से आयात को भी बढ़ावा दिया। इससे भारत का सऊदी अरब में निर्यात बढ़ा।

इस साल भारत 20 से 25 लाख टन गेहूं निर्यात करेगा। भारत से काफी मात्रा में गेहूं का एक्सपोर्ट हो रहा है, भारत ने पड़ोसी अफगानिस्तान को भी मानवीय मदद के तौर पर 5 करोड़ किलो गेहूं देने की बात कही है। यह गेहूं पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान जाएगा। जहां तक भारत और पाकिस्तान के व्यापारिक रिश्तों का सवाल हैग तो वो पहले जैसे ही रहेंगे यानी पाकिस्तान से भारत चीजें आ सकती हैं, लेकिन पाकिस्तान नहीं जा सकतीं, सिवाय कॉटन और गन्ने के। कोरोना संक्रमण के दौरान दुनिया भर में अनाज संकट पैदा होने की आशंका जताई जा रही थी। दुनिया के कई हिस्सों में अनाज और दूसरे खाद्य पदार्थों की पैदावार घटी है, इससे खाद्यान्न की कमी बढ़ी है और कीमतों में भी इजाफा हुआ है, भारत को इस स्थिति का फायदा मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं, चावल, चीनी और मक्का की मांग बढ़ी है। कृषि मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2020-21 के अप्रैल से फरवरी के 11 महीनों के दौरान देश से 2.74 लाख करोड़ रुपये के कृषि उत्पादों का निर्यात किया गया है। यह साल भर पहले की इसी अवध के 2.31 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 16.88 फीसदी ज्यादा है। प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात भी पिछले वित्त वर्ष में अप्रैल-फरवरी के दौरान 26.51 प्रतिशत बढ़ा। इन उत्पादों में दालेंग प्रसंस्कृत फल-सब्जियांग जूस, मूंगफली, अनाज से बनी वस्तुएं, दुग्ध उत्पाद, अल्कोहल पेय, तेल खली आदि शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में जून, 2020 के बाद गेहूं के भाव में 48 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। मक्के की कीमत में अप्रैल, 2020 के बाद 91 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मोटे चावल का भाव 110 फीसदी से भी ज्यादा बढ़ा है। ग्लोबल मार्केट में गेहूं का भाव करीब 7 साल की ऊंचाई पर चला गया है जबकि मक्के के दाम करीब 8 साल की ऊंचाई पर हैं। कोरोना काल में गेहूं, चावल, मक्का और चीनी जैसी कमोडिटी की मांग अंतरराष्ट्रीय बाजार में काफी ज्यादा बढ़ गई है लेकिन कुछ देशों की ओर से पर्याप्त सप्लाई नहीं हो पा रही है। ऐसे में भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद्यान्न की सप्लाई बढ़ाकर कमाई करने का अवसर बढ़ गया है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

सार समाचार

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने धर्मशाला में दलाई लामा से मुलाकात की

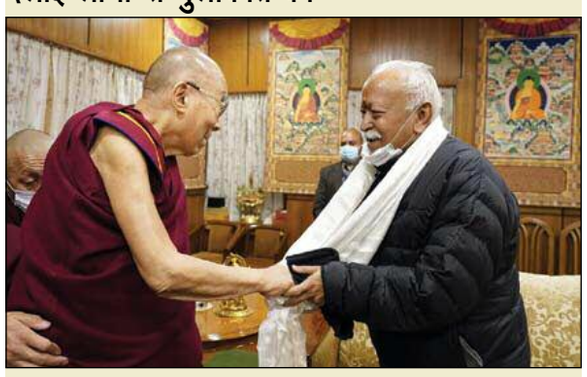

धर्मशाला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को यहां तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा से मुलाकात की। मैकलोडगंज स्थित दलाई लामा के आवास पर हुई बैठक एक घंटे तक चली। दलाई लामा ने 15 दिसंबर से जनता से मिलना शुरू कर दिया है। जनता के साथ उनकी बातचीत 2020 में कोरोना वायरस के प्रकोप के बाद रोक दी गई थी। निर्वासित तिब्बती सरकार के अध्यक्ष पेन्पा सेरिंग, उनके मंत्रिमंडल और निर्वासित तिब्बती संसद के अध्यक्ष सोनम टेम्पेल ने भी आरएसएस प्रमुख से मुलाकात की। दलाई लामा के साथ भागवत की मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर, सेरिंग ने कहा, मैं बैठक में नहीं था, लेकिन मुझे यकीन है कि उन्होंने मानवता के व्यापक हित से संबंधित मुद्दों पर बात की होगी। भागवत हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा और धर्मशाला के पांच दिवसीय दौरे पर हैं।

दिल्ली सरकार ने मुफ्त राशन का वितरण अगले साल मई तक बढ़ाने का फैसला किया: केजरीवाल

नयी दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि दिल्ली सरकार ने शहर में मुफ्त राशन वितरण छह महीने के लिए 31 मई, 2022 तक बढ़ाने का फैसला किया है। यह फैसला सोमवार को मंत्रिमंडल की बैठक में किया गया। केजरीवाल ने डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने कोरोना वायरस के प्रकोप के बाद से मुफ्त राशन बांटना शुरू कर दिया है। इस योजना की समयावधि समाप्त हो गई है, इसलिए इसे छह महीने के लिए बढ़ाया जा रहा है। कैबिनेट ने आज फैसला किया कि मुफ्त राशन वितरण अगले साल 31 मई तक जारी रहेगा। यह योजना 30 नवंबर को समाप्त हो गई। दिल्ली सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लाभार्थियों को मुफ्त राशन वितरित करती है। दिल्ली में 2,000 से अधिक उचित मूल्य की दुकानें, 17.77 लाख राशन कार्ड धारक और लगभग 72.78 लाख लाभार्थी हैं।

जम्मू-कश्मीर में बिजली आपूर्ति बहाली के लिए सेना ने संभाला मोर्चा, तीन दिनों से हड़ताल पर हैं कर्मचारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में बिजली विकास विभाग के कर्मचारी लगातार तीसरे दिन हड़ताल पर रहे। जिसकी वजह से कई इलाकों में पूरी तरह से ब्लैकआउट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसी बीच केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि किसी भी कारण से विकास नहीं रूकेगा। जो कर्मचारी हड़ताल पर हैं, सरकार को उनकी समस्याओं का हल निकालना चाहिए और मुझे यकीन है कि सरकार ऐसा करेगी। समाचार एजेंसी के मुताबिक, हड़ताल पर बैठे अनिल सिंह ने बताया कि सरकार के साथ हमारी 2-3 बार बात हो चुकी है परन्तु किसी कारण वे सफल नहीं हो पाई। आज भी बात चल रही है। हमें प्राइवेट दायरे की तरफ ले जाया जा रहा है। हमारी दूसरी मांग सैलरी से संबंधित है।
जम्मू-कश्मीरः जम्मू में बिजली विभाग के कर्मचारी हड़ताल पर हैं।
अनिल सिंह ने बताया, 'सरकार के साथ हमारी 2-3 बार बात हो चुकी है परन्तु किसी कारण वे सफल नहीं हो पाई। आज भी बात चल रही है। हमें प्राइवेट दायरे की तरफ ले जाया जा रहा है। हमारी दूसरी मांग सैलरी से संबंधित है।'

मदद के लिए सेना को बुलाया गया

प्राप्त जानकारी के मुताबिक जम्मू के कई इलाकों में भीषण ठंड के बीच में पूरी तरह से बिजली ठप्प है। ऐसे में बिजली आपूर्ति को बहाल करने के लिए सेना की मदद ली गई है। इतना ही नहीं राजौरी के थुडी सब स्टेशन पर सेना और एमईएस के कर्मियों ने एकजुट होकर काम करना भी शुरू कर दिया है। जिसकी कई सारी तस्वीरें भी सामने आई हैं। दरअसल, जम्मू-कश्मीर पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट का पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया में विलय को लेकर और प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों को संपत्ति सौंपने के सरकार के कदम का बिजली कर्मचारी विरोध कर रहे हैं।

एक लाख युवाओं को मुफ्त मोबाइल और टैबलेट देंगे सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 दिसंबर (पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती) को विभिन्न पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को मुफ्त स्मार्टफोन और टैबलेट वितरित करेंगे। योगी पहले चरण में लखनऊ में भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी ईकाना स्टेडियम में अंतिम वर्ष के एक लाख युवाओं को मुफ्त मोबाइल और टैबलेट देंगे। कार्यक्रम में राज्य के हर जिले से बड़ी संख्या में छात्र और छात्राएं शामिल होंगे। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने तकनीकी रूप से अद्यतन करने के लिए एक करोड़ युवाओं को मुफ्त स्मार्ट मोबाइल फोन और टैबलेट देने की घोषणा की है। इसके तहत पहले चरण में 25 दिसंबर को 60 हजार मोबाइल फोन और 40 हजार टैबलेट का वितरण करेंगे। बयान के मुताबिक पहले चरण में अंतिम वर्ष में पढ़ाई कर रहे एमए, बीए, बीएससी, आईटीआई, एमबीबीएस, एमडी, बीटेक, एमटेक, पीएचडी एमएसएमई और कौशल विकास आदि पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को प्राथमिकता मिलेगी। आईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग के विशेष सचिव कुमार विनीत ने बताया कि 'डिजि शक्ति' पोर्टल पर 38 लाख से अधिक युवाओं का पंजीकरण हो चुका है। अभी भी विद्यार्थियों का पंजीकरण हो रहा है।

राष्ट्रपति कोविंद ने भारत और वियतनाम के बीच आर्थिक संबंध को लेकर कहीं बड़ी बात

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।
राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को कहा कि भारत और वियतनाम के बीच आर्थिक संबंध ने कोविड-19 महामारी के कारण व्यवधानों के बावजूद सकारात्मक दिशा बनाए रखी है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति को यह उल्लेखित करते हुए प्रसन्नता हुई कि भारत और वियतनाम के बीच रक्षा साझेदारी लगातार बढ़ रही है। वियतनाम के एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कोविंद ने कहा कि दोनों देशों के बीच मजबूत रक्षा सहयोग क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और समृद्धि में योगदान देगा। वियतनाम की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष वुओंग दिन्ह ह्यू के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने कहा कि समकालीन समय में भारत और वियतनाम के बीच नेतृत्व स्तर पर उत्कृष्ट संबंध हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे लोग महात्मा गांधी और राष्ट्रपति हो ची मिन्ह के आदर्शों का अनुसरण करते हैं।

आज, हमारी द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी में व्यापक क्षेत्र शामिल हैं - राजनीतिक संबंध से लेकर व्यापार एवं निवेश संबंध, ऊर्जा सहयोग, विकास साझेदारी, रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग और लोगों के बीच संबंध।'' कोविंद ने 2018 में देश की अपनी यात्रा को याद करते हुए कहा कि उन्होंने वियतनाम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और दोनों देशों के बीच प्राचीन सभ्यतागत आदान-प्रदान को खुद देखा, जिसमें मजबूत बौद्ध संबंध भी शामिल हैं। बयान के अनुसार राष्ट्रपति ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण व्यवधान उत्पन्न होने के बावजूद भारत और वियतनाम के बीच आर्थिक संबंध ने सकारात्मक दिशा बनाए रखी है। बहुपक्षीय मंचों पर भारत और वियतनाम के बीच सहयोग के बारे में कोविंद ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और अन्य मंचों पर हमारे समन्वित प्रयासों ने अधिकांश विकासशील देशों को आवाज दी है। उन्होंने कहा कि भारत और वियतनाम अंतरराष्ट्रीय कानून के

तहत एक स्वतंत्र, खुले, नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र शांतिपूर्ण, समृद्ध, समावेशी और आसियान के साथ काम कर रहे में योगदान करने के लिए हैं।

शिवसेना पर गरजे अमित शाह, कहा- दम है तो अकेले चुनाव लड़ो बीजेपी मुकाबला करेगी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।
रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह महाराष्ट्र के दौरे पर थे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने शिवसेना पर जमकर निशाना साधा। गृह मंत्री ने महाराष्ट्र सरकार को तीन पहिए की सरकार बताया, उन्होंने कहा यह सरकार तीन पहिए की सरकार है यह मैंने पहले कहा था मगर अब मैं इसे बदल रहा हूं महाराष्ट्र की सरकार तीन पहियों की ऑटो रिक्शा है जो चलती नहीं है और पंचर है।

शिवसेना को दी चुनौती

अमित शाह ने कहा कि महाराष्ट्र की सरकार निकम्मी सरकार है, शिवसेना कहती है सत्ता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है। अमित शाह ने तीन दलों के गठबंधन की सरकार खास करके शिवसेना को चुनौती देते हुए कहा कि, अगर हिम्मत है तो इस्तीफा देकर फिर से चुनाव लड़े भाजपा अकेले मुकाबला करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पूरे देश भर में पेट्रोल डीजल 15 रुपये सस्ता हुआ है। मगर महाराष्ट्र की

सरकार ने तेल की कीमतों में कमी नहीं की है, महाराष्ट्र की राजनीति में अपराधीकरण और वसूली का बोलबाला है और इन्हीं का शासन चल रहा है। अमित शाह ने महाराष्ट्र के पुणे जिले के ताले गांव में स्थित केंद्रीय फॉरेंसिक विज्ञान योगशाला का दौरा भी किया। जहां उन्होंने केंद्र के एक नए परिसर का उद्घाटन किया, इसके साथ साथ अमित शाह ने एनडीआरएफ की इकाई का भी दौरा किया जहां उन्होंने एनडीआरएफ के कर्मियों से बातचीत की और जवानों के साथ भोजन भी किया। अमित शाह ने ताले गांव में एनडीआरएफ परिसर में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राकृतिक आपदाओं के समय एनडीआरएफ के कार्य की सराहना भी की। अमित शाह ने फोरेंसिक विज्ञान के महत्व का जिक्र करते हुए कहा आंतरिक सुरक्षा के लिए कई चुनौतियां हैं। उन्होंने इन चुनौतियों में नशीले पदार्थ, हथियारों की तस्करी और जाली नोट जैसी चुनौतियों का जिक्र किया और कहां एफएसएल की सहायता से हम बहुत कुछ कर पाएंगे। गुजरात के एक अत्याधुनिक फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा जब प्रधानमंत्री मोदी राज्य के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने एफएसएल की स्थापना की। और आज यह विश्व भर में मान्यता प्राप्त संस्थान बन गया है। उन्होंने कहा जब गुजरात में एफएसएल के बुनियादी ढांचे का विस्तार हो रहा था विशेषज्ञ फॉरेंसिक विज्ञान जनशक्ति की कमी महसूस की गई थी। क्योंकि फोरेंसिक विज्ञान के लिए कोई कॉलेज या विश्वविद्यालय देश में नहीं था। मोदी जी ने राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना के विचार की कल्पना की थी। और आज यह विश्वविद्यालय गुजरात में काम कर रहा है।

परिसीमन आयोग ने जम्मू के लिए छह और कश्मीर के लिए एक सीट का प्रस्ताव रखा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।
केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लिए विधानसभा क्षेत्रों की सीमा को नये सिरे से निर्धारित करने के मकसद से गठित परिसीमन आयोग द्वारा अपने 'पेपर-1' में जम्मू क्षेत्र में छह अतिरिक्त सीट और कश्मीर घाटी में एक सीट का प्रस्ताव रखे जाने की जानकारी मिली है। इसे लेकर आयोग के पांच सहयोगी सदस्यों से सोमवार को विचार-विमर्श किया गया। सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए नौ सीट और अनुसूचित जाति (एससी) के लिए सात सीट का प्रस्ताव रखा गया है। जम्मू-कश्मीर में ऐसा पहली बार है, जब एसटी के लिए सीट का प्रस्ताव रखा गया है। आयोग की बैठक में उसके सहयोगी सदस्यों-जम्मू-कश्मीर से पांच लोकसभा सदस्यों- ने भाग लिया। उनसे इस महीने के अंत में प्रस्ताव पर अपनी प्रतिक्रिया देने को कहा गया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला बैठक में मौजूद नेताओं में शामिल थे। परिसीमन आयोग की अध्यक्षता उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई कर रही हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुशील चंद्रा पैनल के पदेन सदस्य हैं।

ओमीक्रोन को लेकर अलर्ट पर नीतीश सरकार, मुख्यमंत्री बोले- हम करा रहे हैं सबसे ज्यादा टेस्ट

पटना। (एजेंसी)।
देश में कोरोना के नए वेरिएंट 'ओमीक्रोन' ने हाहाकार मचाया हुआ है। साउथ अफ्रीका से फैले इस वायरस के अबतक 161 मामले देश में सामने आ चुके हैं। इसके साथ ही तमाम राज्य सरकारें ओमीक्रोन को लेकर अलर्ट पर हैं। इसी बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि बिहार में हम सबसे ज्यादा टेस्ट करा रहे हैं।

समाचार एजेंसी के मुताबिक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में अभी तक ओमिक्रोन का कोई मामला नहीं आया है। ओमिक्रोन को लेकर हम अलर्ट हैं और हमारी तैयारी पूरी है। हम सबसे ज़्यादा टेस्ट करा रहे हैं। देश में ओमीक्रोन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इस नए वेरिएंट से अभी तक 161 लोग संक्रमित हो चुके हैं। वहीं, दूसरी तरफ राष्ट्रीय राजधानी में दो नए मामले सामने आए हैं। जिसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 24 हो गई। केरल में भी चार नए ओमीक्रोन के मामले सामने आए हैं, जिसके बाद मामलों की संख्या अब 15 हो गई है।

आईसीएमआर ने किट की तैयार

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कोरोना के ओमीक्रोन वेरिएंट का पता लगाने के लिए एक टेस्ट ??किट तैयार की है और इसके विकास तथा व्यावसायीकरण के लिए प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण की खातिर किट निर्माताओं से अभिरुचि पत्र आमंत्रित किया है। आईसीएमआर-क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान केंद्र, डिब्रूगढ़ ने सार्स-सीओवी2 के नए वेरिएंट ओमीक्रोन (बी.1.1.529) का पता लगाने के लिए नई तकनीक की आरटी-पीसीआर टेस्ट किट विकसित की है।

योगी सरकार के पांच साल तो महज ट्रेलर, असली फिल्म अभी बाकी हैः नितिन गडकरी

लखनऊ। (एजेंसी)।
केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की सराहना करते हुए रविवार को कहा कि यह तो महज ट्रेलर है, असली फिल्म तो अभी बाकी है। गडकरी ने बिजनौर जिले के चांदपुर में भाजपा की जन विश्वास यात्रा की शुरुआत करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, हम उत्तर प्रदेश में केवल गुंडागर्दी को समाप्त नहीं कर रहे हैं। हम गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी को भी समाप्त करने जा रहे हैं। जो पांच साल आपने देखा, वह तो ट्रेलर था। असली फिल्म शुरू होना तो अभी बाकी है। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार का डबल इंजन लगा दो, फिर आप शांति से बैठो और देखो कि कैसे चमत्कार होगा। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में 2014 में रामराज्य की शुरुआत हुई है। देश बदल रहा है और उत्तर प्रदेश भी।

साल 2014 के पहले उत्तर प्रदेश कैसा था और आज कैसा है। गडकरी ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में पिछले 50 वर्षों के दौरान जितनी सड़कें नहीं बनी उतनी पिछले 5 वर्षों के दौरान भाजपा सरकार ने बना डाली हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, भाजपा के शासन में सड़कों का कायाकल्प हो चुका है। राष्ट्रीय राजमार्ग एक प्रदेश से दूसरे राज्य को जोड़ रहा है। जो यात्रा

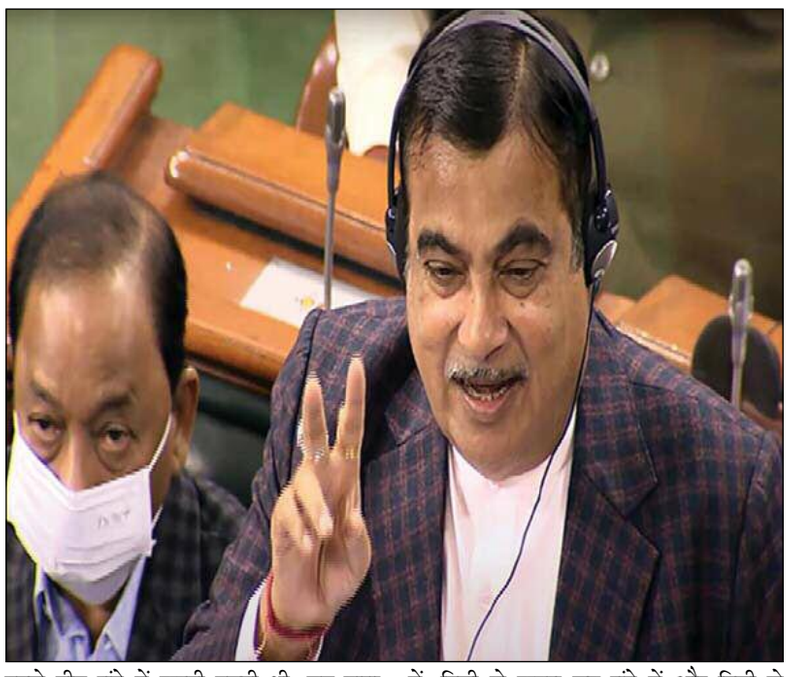

पहले तीन घंटे में करनी पड़ती थी, वह यात्रा आज एक घंटे में पूरी हो रही है। हम दिल्ली से देहरादून नया रास्ता बना रहे। अगले दो सालों में आप दिल्ली से देहरादून केवल दो घंटे में पहुंच जाएंगे। दिल्ली से चंडीगढ़ दो घंटे में, दिल्ली से जयपुर दो घंटे में, दिल्ली से अमृतसर चार घंटे में, दिल्ली से कटरा छह घंटे में और दिल्ली से श्रीनगर केवल आठ घंटे में पहुंचाने का काम हम कर देंगे। इस दौरान उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या और केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान भी मौजूद थे।

संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने के लिए तैयार: भारत ने पांच मध्य एशियाई देशों से कहा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।
19 दिसंबर भारत ने रविवार को पांच मध्य एशियाई देशों को अवगत कराया कि वह उनके साथ अपने सहयोग को ''अगले स्तर'' तक ले जाने के लिए तैयार है और यह उनकी विकास यात्रा में ''दृढ़ भागीदार'' होगा।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यह संदेश तीसरे भारत-मध्य एशिया संवाद में दिया जिसमें कजाखस्तान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के उनके समकक्षों ने भाग लिया। पांच देशों के शीर्ष नेतृत्व के 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेने की उम्मीद है।

तुर्कमेनिस्तान के विदेश मंत्री राशिद मेरेदोव ने संवाद को ''जनवरी में आगामी मध्य एशिया-भारत शिखर सम्मेलन'' की तैयारी के रूप में वर्णित किया।

जयशंकर ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा, ''हम अपने द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति से बहुत खुश हैं। लेकिन हम जानते हैं कि क्षमता बहुत अधिक है। आज हम में से प्रत्येक को अपनी अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण की परीक्षा का सामना करना पड़ रहा है।'' उन्होंने कहा, ''एसडीजी (सतत विकास लक्ष्य) की हमारी खोज को भी सक्रिय किया जाना चाहिए। लेकिन साथ में हम इसे बेहतर कर सकते हैं और भारत, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, आपका दृढ़ भागीदार होगा।''

विदेश मंत्री ने तेजी से बदलती वैश्विक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति के बारे में बात की और दोनों पक्षों द्वारा विविध क्षेत्रों में सहयोग को और विस्तारित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा, ''हमारे पास पहले से ही सहयोग का एक अच्छा इतिहास है। लेकिन आज आपको मेरा संदेश, इसे अगले स्तर पर ले जाने के लिए तैयार रहना है।'' कजाख विदेश मंत्री मुख्तार तिलेबर्दी ने साझा प्राथमिकताओं और दोतरफा साझेदारी को एक नए स्तर पर ले जाने की प्रतिबद्धता के बारे में बात की।

उन्होंने कहा कि मध्य एशिया और भारत के बीच रणनीतिक साझेदारी गतिशील रूप से बढ़ रही है, जिसमें सहयोग के नए क्षेत्र शामिल हैं। किर्गिज के विदेश मंत्री रुस्लान कजाकबाएव ने अपनी टिप्पणी में इस क्षेत्र के साथ भारत के अच्छे संबंधों का उल्लेख करते हुए इसे सभी मध्य एशियाई राज्यों के लिए एक रणनीतिक भागीदार के रूप में वर्णित किया। ताजिकिस्तान के विदेश मंत्री सिरोजिद्दीन मुहरिद्दीन ने कहा कि उनका देश भारत-मध्य एशिया वार्ता को पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी के विकास और मजबूती के लिए महत्वपूर्ण मानता है।

उन्होंने कहा कि मध्य एशिया के क्षेत्रीय एकीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति क्षेत्र और भारत के बीच सहयोग के विस्तार के नए अवसर पैदा करती है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, भारत एक शक्तिशाली औद्योगिक आधार और विज्ञान और तकनीकी क्षमता के साथ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री अब्दुलअजीज कामिलोव ने कहा कि मध्य और दक्षिण एशिया के बीच अंतर-क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए संवाद एक प्रभावी उपकरण के रूप में उभरा है।

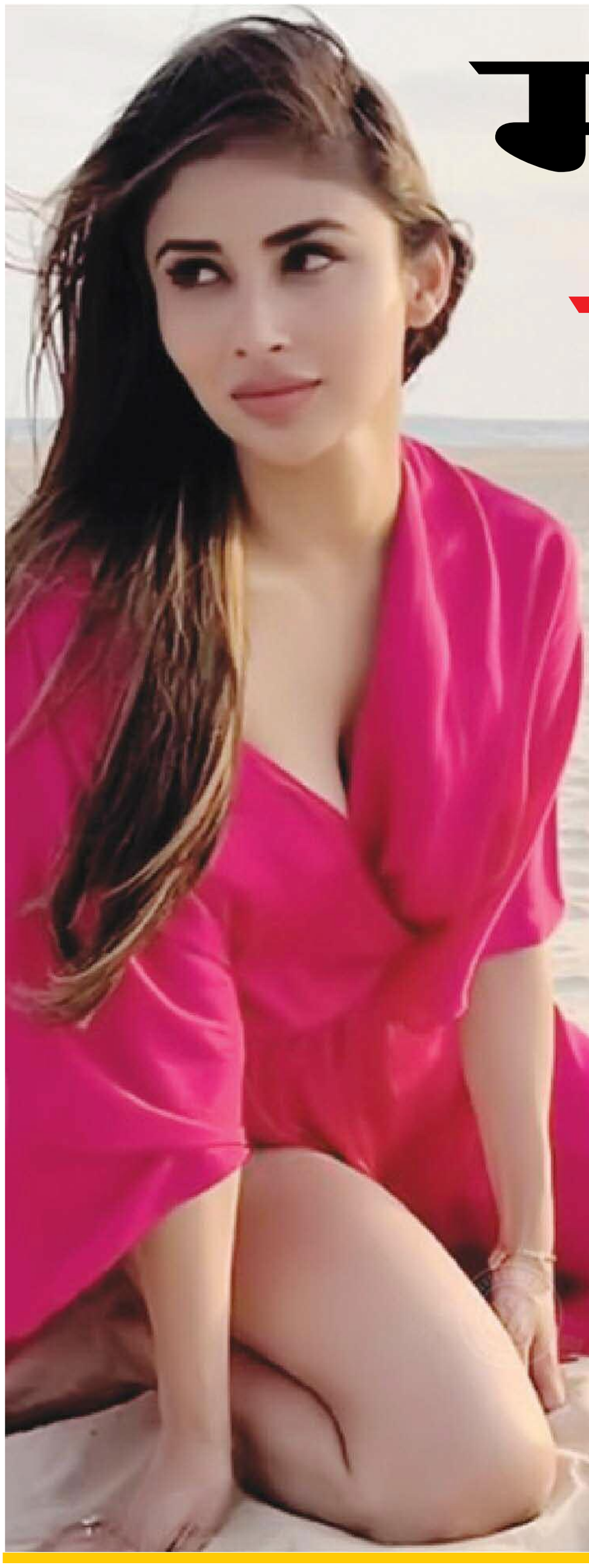

मौनी रॉय

करने जा रही हैं शादी, बैचलर पार्टी इंज्वॉय करती आई नज़र!

मौनी रॉय (Mouni Roy) अक्सर अपनी तस्वीरों को लेकर चर्चा में रहती हैं. हाल ही में उनकी एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें एक्ट्रेस बैचलर पार्टी करती नज़र आ रही हैं. जिसके बाद लोग मान रहे हैं कि वो जल्द ही सूरज नांबियार संग शादी के बंधन में जा रही हैं.

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय (Mouni Roy) सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वो अक्सर अपनी तस्वीरें शेयर कर फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं. फैंस भी उनकी तस्वीरें खूब पसंद करते हैं. हाल ही में उनकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. जिसमें एक्ट्रेस बैचलर पार्टी इंज्वॉय करती नज़र आ रही है. जिसमें एक्ट्रेस के साथ उनके फ्रैंड्स भी दिख रहे हैं. ऐसे में माना जा रहा है कि एक्ट्रेस जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं. फैंस मौनी की शादी के लिए काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं.

जानकारी के मुताबिक, मौनी (Mouni Roy) अपने फ्रैंड्स के साथ गोवा में मज़े कर रही हैं. जहां से उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की गई है. एक्ट्रेस की ये तस्वीर उनकी फ्रैंड आशका गोरड़िया ने इंटरनेट पर पोस्ट की है. जिसमें उनकी गर्ल गैंग बीच किनारे सेलिब्रेट करती नज़र आ रही है. आशका ने अपने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, अद्भुत महिलाओं की कंपनी में अद्भुत समय ... मोनोबिना @imouniroy. आपके लिए केवल और केवल आशिर्वाद मो मो. तस्वीरों में देखा जा सकता है कि सभी ने ब्लैक आउटफिट कैरी किया हुआ है.

एक्ट्रेस मौनी (Mouni Roy) की ये तस्वीर खूब पसंद की जा रही है. लोग इस पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं. जहां कुछ लोग उनकी तस्वीर पर फायर और हार्ट वाला इमोजी शेयर कर रिएक्शन दे रहे हैं. वहीं कई लोग उनकी शादी को लेकर सवाल पूछ रहे हैं. हालांकि, मौनी (Mouni Roy) की तरफ से इस बात की कोई पुष्टि नहीं हुई है कि वो शादी करने वाली हैं या नहीं.

उनकी ये तस्वीरें सामने आने के बाद रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि मौनी (Mouni Roy) अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रैंड सूरज नाम्बियार (Suraj Nambiar) से अगले साल जनवरी के महीने में शादी करने वाली हैं. बता दें कि मौनी बिजनेसमैन सूरज नाम्बियार के साथ काफी समय से रिलेशन में हैं. हाल के दिनों में ही दोनों के रिलेशन की खबरें सामने आई थी.

आमिर खान ने बेटी की उम्र की फातिमा से रचा ली शादी, इरा खान ने किया खुलासा!

बॉलीवुड में मिस्टर परफेक्शनिशट यानी आमिर खान (Aamir Khan) फिलहाल सुर्खियों में बने हुए हैं. जहां एक तरफ वो अपनी अपकमिंग फिल्म लाल सिंह चड्ढा को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं. वहीं दूसरी तरफ हाल ही में खुलासा हुआ है कि आमिर ने उनकी को-स्टार फातिमा सना शेख (Fatima Sana Sheikh) से शादी कर ली है. इस बात का खुलासा आमिर की बेटी इरा खान के एक बयान से हुआ है.

जिसके बाद एक बार फिर आमिर और फातिमा के रिश्ते की चर्चा तेज़ हो गई है. गौरतलब है कि बीते दिनों ही आमिर (Aamir Khan) और उनकी दूसरी बीवी किरण राव (Kiran Rao) ने अपने तलाक का ऐलान किया था. दोनों ने एक वीडियो जारी कर कहा था कि वो दोनों आपसी सहमती से अलग हो रहे हैं. उन्होंने एक-दूसरे से तलाक लेने का फैसला लिया है. हालांकि, वे अपने बच्चे और कंपनी के लिए साथ मिलकर काम करेंगे. उनका ये वीडियो सामने आने के बाद भी सोशल मीडिया यूज़र्स लगातार ये कयास लगा रहे थे कि आमिर और किरण के तलाक की वजह फातिमा (Fatima Sana Sheikh) हैं. एक्टर किरण से तलाक लेने के बाद फातिमा से शादी कर लेंगे. उस दौरान ये खबर काफी चर्चा में रही थी. जिसके बाद दोनों की तरफ से किसी तरह का कोई रिएक्शन न आने पर इसे और हवा नहीं मिली. लेकिन अब हाल ही में आए आमिर (Aamir Khan) की बेटी इरा के बयान ने हर किसी को चौंका दिया है. उनके इस बयान से आमिर की तीसरी शादी का भी खुलासा हो गया है. बता दें कि एक्टर फातिमा सना शेख (Fatima Sana Sheikh) फिल्म दंगल (Dangal) में आमिर के साथ लीड रोल में थी. जहां उन्होंने आमिर की बेटी का किरदार निभाया था.दरअसल, इरा (Ira Khan) ने अपने बयान में कहा है कि जब उन्हें पता चला कि उनके पिता ने उनकी उम्र की लड़की से शादी कर ली है, तो वो इसे हैंडल नहीं कर पाई. उन्हें यह बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगा. ऐसे में वो बिल्कुल डिप्रेशन में चली गई हैं. आमिर की बेटी इरा का बयान सामने आने के बाद लोग कयास लगा रहे हैं कि एक्टर ने तीसरी शादी कर ली है. लेकिन अभी तक इसे सीक्रेट बनाए रखा है. माना जा रहा है कि एक्टर की इस तीसरी शादी का असर उनकी आने वाली फिल्म लाल सिंह चड्ढा (Laal Singh Chaddha) पर पड़ सकता है.

ऐसे में वो फिल्म की रिलीज़ के बाद अपनी शादी का ऐलान कर सकते हैं.बता दें कि आमिर ने सबसे पहले साल 1986 में रीना दत्ता (Reena Dutta) से शादी की थी. दोनों की शादी ज्यादा दिनों तक नहीं चली. ऐसे में उन्होंने 2002 में एक-दूसरे से तलाक ले लिया. जिसके बाद तलाक के तीन सालों बाद यानी 2005 में उन्होंने किरण राव (Kiran Rao) से शादी की. यहां भी दोनों अपनी शादी को ज्यादा दिनों तक नहीं चला सके और इसी साल अलग हो गए. और अभी दोनों के तलाक को कुछ ही महीने बीते हैं कि फातिमा (Fatima Sana Sheikh) के साथ उनकी शादी की खबर आ रही है. हालांकि, इस बात में कितनी सच्चाई है, इसका पता आमिर या फातिमा के बयान से ही हो सकता है.

नेहा कक्कड़ द्वारा गाए गए दिल को करार आये को मिले 101 मिलियन व्यूज

नेहा कक्कड़ द्वारा गाए गए दिल को करार आया के रिप्राइज्ड वर्जन को यूट्यूब पर 101 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं।

मील के पत्थर की प्रतिक्रिया से उत्साहित, नेहा ने कहा, मुझे लगता है कि दिल को करार आया इस गीत के विशेष प्रशंसक हैं और मेरे प्रशंसकों द्वारा अनुरोध किए जाने पर यह सुनकर मेरा दिल खुश हो जाता है। रजत नागपाल (संगीतकार) ने मुझे एक गीत का रत्न दिया है और मैं इसके लिए आभारी हूं।

गाने का रिप्राइज्ड वर्जन देसी म्यूजिक फैक्ट्री के तहत जारी किया गया था।

डिस्क्लेमर: यह आईएएनएस न्यूज फीड से सीधे पब्लिश हुई खबर है. इसके साथ न्यूज नेशन टीम ने किसी तरह की कोई एडिटिंग नहीं की है. ऐसे में संबंधित खबर को लेकर कोई भी जिम्मेदारी न्यूज एजेंसी की ही होगी.

Bigg Boss 15: रश्मि देसाई ने किया mar Riyaz से प्यार का इजहार

बिग बॉस 15 (Bigg Boss 15) टीवी इंडस्ट्री का सबसे ज्यादा चलने वालें शो में से एक है. एक बार फिर से शो लाइम लाइट में आ चुका है. शो के इस बार लाइम लाइट में आने की वजह हैं. टीवी एक्ट्रेस रश्मि देसाई (Rashami Desai) जिन्होंने कुछ समय से शो में धमाल मचा रखा है. उन्होंने टिकट टू फिनाले टास्क के समय उमर रियाज (Umar Riyaz) से अपने प्यार का इजहार कर दिया है. यह सब उन्होंने तब किया जब वो देवोलीना भट्टाचार्जी (Devoleena Bhattacharjee) के साथ जुबानी बहस कर रही थीं.

आपको बतादें, हालही के एक एपिसोड में, अभिजीत बिचुकले (Abhijeet Bichkule) ने देवोलीना से अपने गालों पर किस करने को कहा था, जिसपर एक्ट्रेस भड़क गई थी और उन्होंने उन्हें सीमा पार न करने की चेतावनी भी दी थी. इस बात पर रश्मि ने उनका साथ ना देते हुए कहा कि उसे पता होना चाहिए कि रेखा कैसे खींचनी है और अगर वह हर समय दखल देती रहती है, तो दूसरे भी ऐसा ही करेंगे. उनकी इस बात पर देवो ने कहा कि अगर वह उमर रियाज को पसंद करती है, तो उन्होंने इस बात को उनसे साझा क्यों नहीं की. वहीं रश्मि उमर के पास जाकर उनको आई लव यू कह देती हैं. अब एक्ट्रेस का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है.

ऑफिस में इन 5 आसान तरीकों से कर सकते हैं वर्कआउट

वजन होगा कम और फिटनेस रहेगी बरकरार

आमतौर पर ज्यादातर वर्किंग लोग समय की कमी के कारण वर्कआउट नहीं कर पाते। ऐसे में डेस्क जॉब होने की वजह से उनका वजन तेजी से बढ़ने लगता है। लेकिन फिट रहने के ऐसे कई उपाय हैं, जिन्हें ऑफिस में भी फॉलो किया जा सकता है। आइए, जानते हैं आप ऑफिस में हल्का-फुल्का वर्कआउट कैसे कर सकते हैं-

हेल्दी ब्रेकफास्ट

आप सुबह ऑफिस जाने से पहले अपना हेल्दी ब्रेकफास्ट रात में ही डिसाइड कर लें कि आप कल क्या ले जाने वाले हैं। आप चीला, ऑमलेट, पोहा, उबले अंडे, वड़ा जैसी हेल्दी चीजें ट्राई कर सकते है। ऑफिस में चिप्स खाना, स्नैक्स खाते रहने से परहेज करना चाहिए।

ड्रिंक का रखें खास ख्याल

लगातार पानी पीते रहना हमारे वजन को नियंत्रित करने में बड़ी भूमिका निभाता है। इसका मतलब ओवर ड्रिंकिंग से बिल्कुल नहीं है, लेकिन आपको जरूर इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपने दिनभर में कितना पानी पिया। ज्यादा नहीं तो कम से कम हर डेढ़ घंटे में एक ग्लास पानी जरूर पिएं।

फिटनेस फ्रीक सर्कल

आपकी ऑफिस टीम में सभी न सही लेकिन कुछ लोग तो ऐसे होंगे, जो अपनी फिटनेस को लेकर सजग होंगे। उन लोगों को खोजें और उनके साथ अपने ऑफिस जिम या ऑफिस के आस-पास किसी जिम को जॉइन करें।

बैठने के तरीके पर ध्यान दें

आपकी सेहत में आपके बैठने का तरीका बहुत बड़ा रोल अदा करता है। कई घंटे गलत तरीके से बैठने से वेट भी बढ़ता है और शरीर में दर्द संबंधी बीमारियां भी। बीच-बीच में कुर्सी से उठते रहें और कुछ कदम चलते-फिरते रहें।

खाने के बाद 5 मिनट जरूर टहलें

आप खाने के बाद वॉक पर नहीं जाते, जिसका सबसे ज्यादा असर आपकी फिटनेस पर पड़ता है। खाना खाते ही डेस्क पर बैठकर काम करने से आपके पेट की चर्बी बढ़ती है।

लिपस्टिक लगाते वक्त कहीं आप तो नहीं करतीं ये गलतियां

महिलाओं के बैग में मेकअप किट हो या न हो, लेकिन एक लिपस्टिक तो जरूर रहती है। एक लिपस्टिक महिलाओं की खूबसूरती पर चार चांद लगाने का काम करती है. यदि इसे ठीक तरह से होठों पर न लगाया जाए तो यह आपकी खूबसूरती पर ग्रहण भी लगा सकती है। आइए जानते हैं कि लिपस्टिक लगाने का सही तरीका क्या है।

- लिपस्टिक लगाने से पहले ये जांच लें कि आपके होंठ रूखे या फटे न हों वरना दरारों के बीच स्किन कलर आपकी खूबसूरती बिगाड़ देगा। ऐसे में रूखे होंठों पर पहले लिप बाम या ग्लसरीन जरूर लगाएं, उसके बाद ही लिपस्टिक इस्तेमाल करें।
- लिपसटिक लगाने से पहले लिप पेंसिल से गहरे रंग का आउटलाइन या शेड बना लें. इससे होंठों का आकार उभरकर आएगा और फिर आपकी लिपस्टिक ज्यादा आकर्षक दिखेगी।
- लिपस्टिक का केवल एक ही कोट लगाएंगे तो वह जल्दी हल्की पड़ जाएगी। लिपस्टिक के कम से कम दो-तीन कोट तो जरूर लगाएं। दूसरा, लिपस्टिक का इस्तेमाल अपनी स्किल के कलर को ध्यान में रखकर करना भी जरूरी है.
- लिपस्टिक का एक कोट लगाने के बाद होंठों पर उंगलियों से हल्का सा पाउडर लगाएं, ऐसा करने से लिपस्टिक पूरी तरह सेट हो जाएगी. इसके बाद अगर आपको लग रहा हो कि लिपस्टिक हल्की लग गई है, तो एक कोट और लगा सकती हैं।

रेसिपी

रोटी रोल

सामग्री

- बची हुई रोटियां
- उबला आलू
- उबली मटर
- कसा हुआ पनीर
- बारीक कटी हुई शिमला मिर्च
- बारीक कटा एक प्याज और टमाटर
- हरे धनिया की चटनी
- टमैटो सॉस
- जीरा ■ चाट मसाला, मक्खन

विधि

पैन में बटर डालकर जीरे को सुनहरा होने तक भूनें। जीरा भुन जाने के बाद उसी पैन में प्याज भून लें। उसके बाद टमाटर, मटर और शिमला मिर्च भी भून लें। सब्जियों के भुन जाने के बाद उसमें पनीर, स्वादानुसार नमक और चाट मसाला डालें। अब रोटी रोल की फिलिंग तैयार है। अब दूसरे पैन को गर्म करने के बाद उसमें 1 टीस्पून बटर डालें। रोटी पर धनिया की चटनी और टमैटो सॉस फैला लें। उस पर तैयार किया हुआ भरावन रखने के बाद रोटी को धीरे-धीरे रोल कर लें। उसके बाद उस पर धागा या कोई और चीज बांध दें। पैन में रोटी को शैलो फ्राई कर लें। रोटी रोल के हलका गुलाबी होने के बाद उसे प्लेट में निकाल लें। और मजे से स्वाद लेते हुए खाएं।

ऑरेंज रसमलाई

- फुल क्रीम दूध- 3 लीटर ■ विनिगर- 2 चम्मच ■ फ्रेश ऑरेंज जूस- 1 कप ■ संतरे का कद्दूकस किया छिलका- 1 चम्मच ■ ऑरेंज पल्प- 3 चम्मच ■ अरारोट- 2 चम्मच ■ बेकिंग सोडा- चुटकी भर ■ चीनी- 1-1/2 + 1/2 कप ■ पानी- 5 कप ■ ऑरेंज एसेंस- 4 बूंद ■ ऑरेंज फूड कलर- 1/4 चम्मच
- बारीक कटे मेवे- गार्निशिंग के लिए

विधि

ऑरेंज रसमलाई बनाने के लिए सबसे पहले पनीर बनाएं। पनीर बनाने के लिए पैन में दो लीटर दूध उबाल लें। जब दूध उबलने लगे तो उसमें ऑरेंज जूस, संतरे का कद्दूकस किया छिलका और विनिगर डालकर मिलाएं। दूध तुरंत फट जाएगा। गैस तुरंत बंद कर दें। तीन से चार मिनट के बाद दूध को सूती कपड़े की मदद से छान लें। कपड़े में पनीर को बांधकर लटका दें ताकि पनीर से सारा पानी निकल जाए। जब पनीर तैयार हो जाए तो एक दूसरे पैन में बचे हुए एक लीटर दूध को मध्यम आंच पर आधा हो जाने तक पकाएं। जब दूध की मात्रा आधी हो जाए तो उसमें आधा कप चीनी, चुटकी भर ऑरेंज कलर और ऑरेंज एसेंस मिलाएं। उसमें अरारोट पाउडर व चुटकी भर ऑरेंज कलर डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। पनीर को पंद्रह से बीस मिनट तक अच्छी तरह से गूंद लें। जब पनीर बहुत मुलायम हो जाए तो उससे छोटी-छोटी लोई काट लें और उसे गोल आकार दे दें। प्रेशर कुकर में पानी और डेढ़ कप चीनी डालकर उबालें। जब चीनी घुल जाए तो कुकर में पनीर के तैयार बॉल्स की आधी मात्रा डालें। कुकर बंद करके दो सीटी लगाएं। पनीर के बॉल्स को अब कुकर से निकालकर तैयार दूध में डाल दें। अब उसी चाशनी में पनीर के बचे हुए बॉल्स डालें और अब रसमलाई तैयार है। अब इसे फ्रिज में कम-से-कम पांच से छह घंटे तक रखें। बारीक कटे मेवे से सजा कर पेश करें।

डाइट में शामिल करें 3 सुपरफूड

हार्ट अटैक का खतरा होगा कम

जानें कितनी मात्रा है सही?

खराब जीवनशैली और खान-पान की गलत आदतों के कारण व्यक्ति तमाम बीमारियों का शिकार हो जाता है, जिनमें से एक बीमारी है हार्ट अटैक। अगर आप अपनी डाइट में ये 3 सुपरफूड शामिल करते हैं तो आप हार्ट अटैक से बच सकते हैं। जब बात दिल की देखभाल की आती है तो बहुत से लोग सिर्फ एक्सरसाइज करने को ही पर्याप्त मानते हैं, जिसके परिणामस्वरूप दिल को स्वस्थ रखने वाले आहार के सेवन और सही मात्रा को ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता। इस बात का ख्याल रखना बहुत जरूरी है कि आपकी डाइट आपके हृदय स्वास्थ्य में एक बहुत बड़ी भूमिका निभाती है, इसलिए हमें इसमें कुछ सुपरफूड को जरूर शामिल करना चाहिए। कुछ लोगों को हार्ट अटैक से पहले अपने बाएं हाथ और सीने में दर्द और असहजता का भाव महसूस होता है, हालांकि सभी लोगों को यह लक्षण नहीं दिखाई देते हैं। इसलिए बहुत जरूरी है कि अपने दिल को स्वस्थ रखने के लिए हम इन 3 सुपरफूड को अपनी डाइट में शामिल करें और हार्ट अटैक के खतरे से दूर रहें। अगर आप सोच रहे हैं कि यह तीन सुपरफूड कौन से हैं तो आईए जानते हैं इसके बारे में।

ये 3 सुपरफूड रखेंगे आपको हार्ट अटैक से कोसों दूर

अंडा: प्रोटीन पावरहाउस होने के अलावा अंडा वास्तव में आपके दिल को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाता है। जर्नल हार्ट में प्रकाशित एक शोध के अनुसार, रोजाना अंडे का सेवन करने से हृदय रोगों का खतरा कम हो जाता है। अध्ययन के निष्कर्ष से सामने आया है कि रोजाना 1 अंडा खाने से हृदय संबंधी रोगों का खतरा काफी कम हो जाता है।

बेरी: अगर आप स्मूदी पीने के शौकीन हैं तो उसमें स्वाद लाने के लिए ही सिर्फ बेरी का इस्तेमाल न करें। बेरी आपके दिल के लिए भी बहुत अच्छे होते हैं। अगर आपको किसी बेरी का चुनाव करना है तो ब्लूबेरी का विकल्प चुनें। एक अध्ययन के अनुसार, रोजाना 1 कप (150 ग्राम) ब्लूबेरी के सेवन से संवहनी गतिविधियों में सुधार हो सकता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि इसमें पाया जाने वाला एन्थोकायनिन नाम का एंटीऑक्सिडेंट हृदय रोगों की रोकथाम में मदद करता है।

पालक: दिल की सेहत का ख्याल रखने के लिए हरी पत्तेदार सब्जियों की ताकत को कम न समझें। हम सभी यह सुनते हुए बड़े हुए हैं कि हरी पत्तेदार सब्जियां हमारी आंखों की रोशनी के लिए कितनी अद्भुत हैं। हालांकि बहुत कम लोगों को ही पता होगा कि पालक हमारे दिल के लिए कितना फायदेमंद है। यह न केवल विटामिन k का एक अच्छा स्रोत है, बल्कि इसमें नाइट्रेट की भी भरपूर मात्रा होती है। ये दोनों पोषक तत्व हमारी धमनियों की रक्षा करते हैं और ब्लड प्रेशर को कम कर हृदय रोगों से सुरक्षा प्रदान करते हैं।

इस बदलते मौसम में शुष्क त्वचा यानी ड्राय स्किन और खुजली से कैसे बचें ?

सर्दियों ने दस्तक दे दी है और पीछे-पीछे इससे जुड़ी बीमारियां भी आने लगी हैं। सर्दियों में ड्राय स्किन यानी शुष्क त्वचा के कारण खुजली बढ़ जाती है, इससे एक्जिमा हो जाता है। कुछ मामलों में लगातार खुजली से कई जगहों पर पस बन जाता है और खून भी आने लगता है। खुजली कितनी खतरनाक हो सकती है इसका अंदाजा जामा डर्मेटोलॉजी जर्नल में दिसंबर 2018 में छपी इन बातों से लगाया जा सकता है कि एक्जिमा पीड़ित लोगों में आत्महत्या के विचार आने की आशंका 44 प्रतिशत अधिक होती है और 36 प्रतिशत तो आत्महत्या का प्रयास करते हैं।

एक्जिमा शरीर के किसी भी हिस्से में हो सकता है, लेकिन आमतौर पर यह कानों के पीछे, गर्दन के आस-पास, हाथ-पैरों की अंगुलियों में होता है। इस रोग का मुख्य कारण शरीर में मौजूद खून की खराबी होती है। इससे कभी-कभी 'खुजली या चकत्ते' भी हो जाते है। जर्नल ऑफ एलर्जी एंड क्लीनिकल इम्युनोलॉजी के अनुसार, वयस्कों को पपड़ीदार, चमड़े के पैच या जिद्दी हैंड एक्जिमा हो सकता है। एक्जिमा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए अक्टूबर को एक्जिमा अवेयरनेस मंथ के रूप में मनाया या जा रहा है। अमेरिका में यूसीहेल्थ याम्पा वैली मेडिकल सेंटर के मुताबिक, यदि शरीर पर दाने हैं, लेकिन खुजली नहीं है, तो शायद यह एक्जिमा नहीं है, लेकिन अगर यह लाल, सूखा होता जा रहा है और एक या दो महीने से है, तो एक्जिमा की आशंका बढ़ जाती है।

एक्जिमा के लक्षण

डॉक्टर बताते हैं कि खुजली इसका मुख्य कारण है। जब मरीज खुजलाता है, तो त्वचा रूखी हो जाती है। इससे ज्यादा खुजली होती है। लंबे समय से ऐसा हो रहा है तो त्वचा पर बैक्टीरिया संक्रमण का जोखिम बढ़ जाता है। इसके साामान्य लक्षण हैं -

1. लाल, पपड़ीदार चमड़ी
2. छोटे, मोटे ददोड़े
3. चमड़ी के पैच
4. त्वचा से तरल रिसाव
5. त्वचा काली है, तो प्रभावित क्षेत्र हल्का या गहरा हो सकता है।

वयस्कों में एक्जिमा

बड़े लोगों में हाथ, कोहनी, और शरीर के बेंडिंग एरिया में खुजली वाले पैच देख सकते हैं, जैसे कि कोहनी के अंदर और घुटनों के पीछे, लेकिन, एक्जिमा गर्दन, छाती और पलकों सहित कहीं भी दिखाई दे सकता है। जिन लोगों को बचपन में एटोपिक डर्मटाइटिस थी, वे उन्हें बड़े होने पर सूखने वाले, पपड़ीदार चकत्ते हो सकते हैं।

डॉक्टर से कब मिलना चाहिए?

यदि दाने दूर नहीं हो रहे हैं, मरीज को असहज महसूस हो रहा है या एक क्रस्ट या मवाद से भरा छाला विकसित हो गया है, तो डॉक्टर को दिखाएं। डॉक्टर मेडिकल हिस्ट्री, लक्षणों की जांच करेंगे और परिवार में चली आ रही किसी एलर्जी के बारे में पूछेंगे। इसके बाद इलाज करेंगे। फीवर, अस्थमा और एटोपिक डर्मटाइटिस के बीच संबंध है। यदि माता-पिता को बुखार या अस्थमा है, तो उनके बच्चों को एटोपिक डर्मटाइटिस होगा। वयस्कों में एक्जिमा बड़े लोगों में हाथ, कोहनी, और शरीर के बेंडिंग एरिया में खुजली वाले पैच देख सकते हैं, जैसे कि कोहनी के अंदर और घुटनों के पीछे। लेकिन, एक्जिमा गर्दन, छाती और पलकों सहित कहीं भी दिखाई दे सकता है।

क्यों होता है एक्जिमा?

डॉक्टर के अनुसार, एक्जिमा एक अनुवांशिक रोग है। यह खराब खाद्य पदार्थों के साथ ही त्वचा की ठीक से देखभाल नहीं करने के कारण होता है। इतना ही नहीं, इसके कारण तनाव बढ़ता है और परिस्थितियां और मुश्किल हो जाती हैं। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इनफोर्मेशन (एनसीबीआई) के अध्ययन के अनुसार, आज पर्यावरण संबंधी कारण एक्जिमा को बढ़ा रहे हैं।

सर्दियों में एक्जिमा से ऐसे बचें

- डॉक्टर के अनुसार, अपनी त्वचा का ख्याल रखें। रोज नहाएं। नर्म और चिकने कपड़े पहनें। त्वचा शुष्क है तो तेल या घी की मालिश करें। संतुलित और साफ-सफाई से बनाया गया भोजन करें। केले, हरी सब्जियां, अंकुरित चीजें ज्यादा खाएं। यदि किसी चीज से एलर्जी है, तो टेस्ट करवाएं और उन चीजों से दूर रहें।
- सर्दियों में एक्जिमा से बचने के लिए सलाह दी जाती है कि खूब पानी पिएं। पर्याप्त आराम करें। गर्म कपड़े पहनकर रहें। बाहर निकलें तो आंख और नाक अच्छी तरह ढंक कर रखें। खुद को प्रदूषण से बचाएं। सनस्क्रीन और मॉश्चराइजर का भरपूर इस्तेमाल करें।
- कुछ खाद्य वस्तुओं के सेवन से एक्जिमा से लेकर अस्थमा तक के कई सारे लक्षण पनप सकते हैं। इनमें दूध, योगर्ट, चीज, आइसक्रीम, केला, खीरा और अंडों जैसे खाद्य पदार्थ शामिल हैं। यानी ऐसे लोगों को इन चीजों के उपयोग से बचना चाहिए।

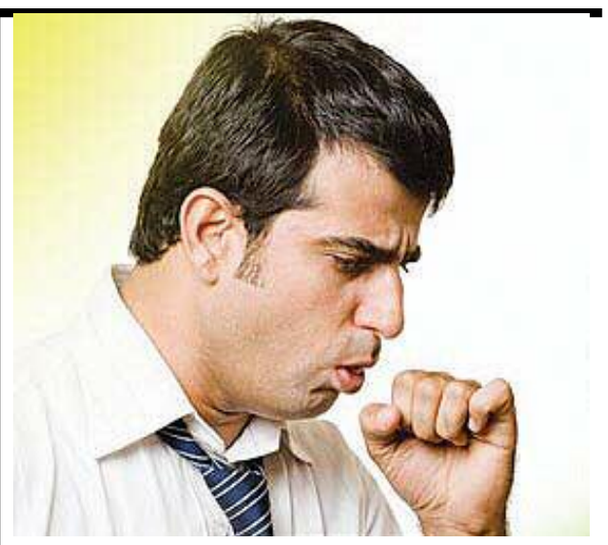

यदि बलगम ज्यादा बन रहा है तो बंद कर दें इन 5 फूड का सेवन

ऐसा नहीं किया तो नाक और गला हो जाएगा जाम

कभी-कभार जब हम खांसते हैं तो उसके साथ बहुत ज्यादा मात्रा में बलगम निकलता है, जिसके लिए हमारा भोजन भी एक बड़ा कारण है। अगर आपके गले या नाक में बलगम जम रहा तो इन 5 फूड का सेवन तुरंत बंद कर दें। आपने अक्सर बच्चों या बड़ों की नाक से चिपचिपे पदार्थ को निकलते हुए देखा होगा, जिसे बलगम कहते हैं। यह देखने में जितना बुरा लगता है, इसकी मौजूदगी हमारे शरीर के लिए उतनी ही जरूरी है। यह हमारे शरीर की विशेष कोशिकाओं द्वारा बनाया जाता है, ताकि यह नाक के छेदों या वायुमार्ग के माध्यम से आपके शरीर में प्रवेश करने से पहले रोगाणुओं और अन्य प्रदूषकों को रोक सके, लेकिन अगर यह बहुत अधिक हो जाए तो आपकी नाक बहुत भारी हो सकती है, आपको खांसी हो सकती है और आपकी आंखों में पानी आ सकता है। यह सांस लेने में भी मुश्किल पैदा कर सकता है। ज्यादा मात्रा में बलगम होने से व्यक्ति की इंद्रियां सुस्त हो सकती है, सांस में बदबू आ सकती है और स्वाद में परिवर्तन हो सकता है। बैक्टीरिया, वायरस और प्रदूषक तत्वों के संपर्क में आने से बलगम ज्यादा हो सकता है। ज्यादा बलगम होने का एक और प्रमुख कारण आपका भोजन है। जी हां, आपने बिल्कुल ठीक सुना अगर आप भी अपनी नाक या गले में बलगम महसूस कर रहे हैं तो ये 5 चीजें खाना बंद कर दें।

बलगम ज्यादा लगे तो इन चीजों का सेवन कर दें बंद

दूध से बने उत्पाद: विशेषज्ञों के मुताबिक, दूध और अन्य डेयरी उत्पादों में पाए जाने वाले कैसिन और लैक्टोज शरीर में बलगम की मात्रा को बढ़ा सकते हैं। शुगर की वजह से, मक्खन, पनीर, दही और आइसक्रीम जैसे तैयार डेयरी उत्पादों के कारण बलगम बढ़ने की संभावना अधिक होती है। हेल्थ सूत्रों के मुताबिक, कम वसा वाले डेयरी उत्पादों में वे प्रोटीन होता है। यह आपके हार्मोनल संतुलन में रुकावट पैदा कर सकते हैं और आपकी प्रजनन क्षमता को दिक्कत पहुंचा सकते हैं।

सोया: अगर आप दूध से बने उत्पादों का विकल्प ढूंढ रहे हैं तो सोया दूध से भी सावधान रहें, क्योंकि यह भी आपके लिए अच्छा नहीं है। विशेषज्ञों के मुताबिक, सोयाबीन और अन्य सोया आधारित सामान, जैसे टोफू, टेम्पेह, सोया नट्स, सोया दूध और मिसो भी शरीर में बलगम का उत्पादन बढ़ा देते हैं।

मिठाई: रिफाइन्ड शुगर से भरी मिठाई हमारी नाक और वायुमार्ग में बलगम के उत्पादन को बढ़ा सकती है। शरीर में शुगर का बढ़े हुए स्तर के कारण आपकी नाक भारी हो सकती है, जिसके कारण किसी भी व्यक्ति की स्वाद कलियां प्रभावित हो सकती हैं।

कैफीन युक्त पेय पदार्थ: शुगर की ज्यादा मात्रा के अलावा, अतिरिक्त कैफीन हमारे शरीर की कोशिकाओं पर दोगुना प्रभाव डालती है और ज्यादा बलगम बनने का कारण बन सकती है। कैफीन युक्त पेय के बजाय आप ढेर सारा पानी पिएं। पानी पीने से नाक और वायुमार्ग में बलगम की मात्रा और प्रभाव कम करने में मदद मिलती है।

नट और बीज: शरीर की कोशिकाओं को बलगम के उत्पादन के लिए प्रोटीन की आवश्यकता होती है। अगर आपको ज्यादा बलगम की शिकायत है तो नट्स और बीज का सेवन न करें।

ऑस्ट्रेलिया ने एशेज के दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 275 रनों हराया, सीरीज में 2-0 से आगे हुई

एडिलेड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने मेहमान टीम इंग्लैंड को एशेज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी 275 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही मेजबान टीम ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज में 2-0 से आगे हो गयी है। गाबा में हुए पहले टेस्ट में भी मेजबान टीम जीती थी।एडिलेड में हुए दिन-रात्र के इस दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड के बल्लेबाज 468 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये और अपनी दूसरी पारी में 192 रनों पर ही आउट हो गये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से तेज गेंदबाज झाय रिचर्डसन ने सबसे अधिक 5 विकेट लिए।इसके अलावा नाथन लायन और मिचेल स्टार्क ने भी 2-2 खिलाड़ियों को आउट किया।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने मार्नस लाबुसेन की शानदार बल्लेबाजी से अपनी पहली पारी सात विकेट पर 473 रनों पर घोषित कर दी थी जबकि इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 236 रनों पर ही आउट हो गयी। ऑस्ट्रेलिया ने इस प्रकार 237 रनों की बढ़ी बढ़त हासिल कर ली। इसके बावजूद मेजबान टीम ने इंग्लैंड को फॉलोऑन नहीं देते हुए दूसरी पारी नौ विकेट पर 230 रन बनाकर घोषित कर दी थी। इंग्लैंड की टीम 468 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरूआत में ही पिछड़ गयी। चौथे दिन उसने 82 रनों पर ही 4 विकेट खो दिये थे। पांचवें और अंतिम मेहमान टीम का कोई भी बल्लेबाज कंगारु गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाया और पहले सत्र में ही उसने बचे हुए विकेट खो दिये।

ऑलराउंडर बेन स्टोक्स और ओली पोप ने अंतिम दिन पारी को आगे बढ़ाना शुरू किया पर पोप ज्यादा देर टिक नहीं पाये। पोप के रुप में टीम को 5वें दिन पहला झटका लगा और फिर इसके बाद 57वें ओवर में स्टोक्स भी पेवेलियन लौट गए। स्टोक्स ने केवल 12 रन ही बनाये। इसके बाद जरूर क्रिस वोक्स ने जोस बटलर के साथ पारी संभालने का प्रयास किया पर झाय रिचर्डसन ने वोक्स को आउट कर इस उम्मीद को भी तोड़ दिया। वोक्स 44 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ओली रॉबिन्सन भी 8 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। बटलर लंबे समय तक खेलकर 26 रन पर हिट विकेट हो गए। उन्होंने 207 गेंद खेलीं।

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2022 के लिए 17 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित

यश करेंगें कप्तानी, रशीद बने उपकप्तान

मुम्बई, एजेंसी। अखिल भारतीय जूनियर चयन समिति ने वेस्टइंडीज में अगले साल की शुरूआत में होने आईसीसी अंडर 19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए 17 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी यश ढुल करेंगे जबकि उपकप्तान की जिम्मेदारी एसके रशीद को मिली है। पांच खिलाड़ियों को स्टेंड बाय के तौर पर भी रखा गया है। टूनार्मेंट के 14वें संस्करण में 16 टीमें 48 मैचों में ट्रॉफी के लिए उतरेंगी। भारत ने 2000, 2008, 2012 और 2018 में 4 बार खिताब जीते हैं। भारतीय टीम साल 2016 में और न्यूजीलैंड में 2020 में आयोजित टूनार्मेंट के पिछले संस्करण में भी उपविजेता रही थी। प्रारूप में चार समूहों में से प्रत्येक से शीर्ष दो टीमें सुपर लीग में आगे बढ़ेंगी, जबकि शेष टीमें 23 दिनों की प्रतियोगिता में प्लेट में शामिल होंगी। भारत को अंडर-19 ग्रुप बी में रखा गया है।

अंडर-19 विश्व कप के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है

यश ढुल (कप्तान), हरनूर सिंह, अंगक्रिश रघुवंशी, एसके राशिद (उप-कप्तान), निशांत सिंधु, सिद्धार्थ यादव, अनीश्वर गौतम, दिनेश बाना (विकेटकीपर), आराध्य यादव (विकेटकीपर), राज अंगद बावा, मानव पारख, कौशल तांबे , आरएस हैंगरगेकर, वासु वत्स, विक्की ओस्तवाल, रवि कुमार, गर्व सांगवान

स्टैंडबॉय खिलाड़ी

रिषित रेड्डी

उदय सहारन

अंश गोसाई

अमृत राज उपाध्याय

पीएम सिंह राठौर

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2022 में भारतीय टीम के मुकाबले

15 जनवरी - दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्रोविडेंस स्टेडियम, गुयाना में शाम 7:30 बजे

19 जनवरी - आयरलैंड के खिलाफ ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, त्रिनिदाद और टोबैगो में शाम 7.30 बजे

22 जनवरी - युगांडा, ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, त्रिनिदाद और टोबैगो में शाम 7.30 बजे।

संक्षिप्त समाचार

शुआइ ने यौन उत्पीड़न के आरोपों से इंकार किया

बीजिंग, एजेंसी। चीन की महिला टेनिस स्टार पेंग शुआइ का अब एक नया बयान सामने आया है। इसमें शुआइ ने कहा है कि उन्होंने कभी भी यौन उत्पीड़न के आरोप नहीं लगाये थे। वहीं गत माह शुआइ ने अपने बयान में एक शीर्ष नेता पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाये थे। अब चीनी मीडिया के हवाले से इस खिलाड़ी ने कहा है कि वह बीजिंग में अपने घर पर ही रह रही है और उसपर किसी प्रकार की पाबंदी नहीं है। पेंग ने कहा, 'मैं कुछ बातें साफ करना चाहती हूं। सबसे पहले तो यह कि मैने कभी नहीं लिखा कि किसी ने मेरा यौन उत्पीड़न किया है। मैं यह बात साफ तौर पर कहना चाहती हूं।' चार फरवरी से शुरू हो रहे बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के पहले इस खिलाड़ी का एक वीडियो भी आया है। इसमें वह एनबीए के पूर्व स्टार याओ मिंग और अन्य चीनी खिलाड़ियों के साथ स्कीइंग स्पर्धा देख रही थी। वहीं पूर्व उप प्रधानमंत्री झांग गाओली पर उत्पीड़न के आरोप लगाने के बाद से यह खिलाड़ी लापता हो गयी भी। इसके बाद दुनिया भर की टेनिस खिलाड़ियों ने इस घटना पर नाराजगी व्यक्त करते हुए चीन सरकार से उन्हें सामने लाने को कहा था। इस मामले में अंतरराष्ट्रीय टेनिस संघ ने चीन में सभी टूनार्मेंटों पर भी रोक लगा दी थी।

दक्षिण अफ्रीका की घरेलू प्रतियोगिताएं अब नये साल में होंगी

जोहानिसबर्ग, एजेंसी। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कोरोना महामारी के संक्रमण की आशंका से देश की प्रमुख चार दिवसीय घरेलू प्रतियोगिता को स्थगित कर दिया है, ये अब अगले साल खेली जाएंगी। सीएसए ने घरेलू प्रतियोगिता को रद्द करने का यह फैसला सेंचुरियन में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला शुरू होने से ठीक पहले किया है। देश में पिछले कुछ सप्ताह में कोविड-19 संक्रमण के मामले तेजी से बढ़े हैं। सीएसए के अनुसार कोविड-19 महामारी की नई लहर और सुरक्षा उपायों को देखते हुए मैचों के पांचवें दौर को स्थगित किया गया है। ऐसे में डिवीजन दो और डिवीजन एक के ये मैच अब नये साल में खेले जाएंगे। वहीं सीएसए के अनुसार भारतीय टीम के साथ तय कार्यक्रम के अनुसार ही सीरीज खेली जाएगी। इस दौरान संक्रमण से बचाव के लिए बायोबबल को बनाये रखने पर ध्यान दिया जाएगा। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका में तीन टेस्ट और इतने ही मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है।

एशेज के बचे हुए मैचों के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में कमिंस और हेजलवुड वापसी

एडिलेड, एजेंसी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने एशेज टेस्ट सीरीज के बचे हुए तीन मैचों के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है केवल कप्तान पैट कमिंस और गेंदबाज जोश हेजलवुड की वापसी हुई है। ये दोनो ही दूसरे टेस्ट से बाहर थे। ऑस्ट्रेलियाई टीम सीरीज में 2-0 से आगे है और ऐसे में चयनकर्ता अधिक बदलाव के पक्ष में नहीं हैं। कमिंस को एक संक्रमित के करीब बैठने के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया था पर क्वारंटीन की अवधि पूरी कर वह वापस लौट आये हैं।

वहीं हेजलवुड ब्रिस्बेन में शुरूआती मैच में लगी चोट के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर थे। कमिंस और हेजलवुड के बाहर होने पर माइकल नेसर और झाय रिचर्डसन को दूसरे टेस्ट में शामिल किया गया था। मार्कस हैरिस को उम्मीद के अनुरुप बल्लेबाजी नहीं करने के बाद भी मैच में बनाये रखा है।

एशेज सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है: पैट कमिंस (कप्तान), एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कैमरुन ग्रीन, जोश हेजलवुड, मार्कस हैरिस, ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लॉयन, माइकल नेसर, झाय रिचर्ड्सन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मिचेल स्वेपसन, डेविड वॉर्नर।

बर्मिंघम में सोफी होवर्ड ने गोल कर लीशेस्टर को 1-0 से बढ़त दिलाई।

कोहली की कप्तानी में टीम ने टेस्ट में बनाया था सबसे कम स्कोर

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली इन दिनों सबसे अधिक चर्चा में हैं।वजह बीसीसीआई ने वनडे टीम की कप्तानी छीन ली है।इसके बाद कोहली और बोर्ड के बीच बयानबाजी हुई।लेकिन बात टीम के प्रदर्शन की हो रही है। पिछले साल आज ही के दिन टीम इंडिया ने एक खराब रिकॉर्ड अपने नाम किया था। एडिलेड टेस्ट की दूसरी पारी में टीम सिर्फ 36 रन बनाकर आउट हो गई थी।यह टेस्ट इतिहास का टीम का सबसे कम स्कोर था।लेकिन सबसे बड़ी बात यह थी कि मैच में कप्तानी कोहली ही कर रहे थे।

डे-नाइट टेस्ट में विराट कोहली ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया।टीम ने पहली पारी में 244 रन बनाए। कप्तान कोहली ने सबसे अधिक 74 रन बनाए थे।चेतेश्वर पुजारा ने 43 और अजिंक्य रहाणे ने 42 रनों का योगदान दिया था। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम 191 रन पर सिमट गई।टिम पैन ने 73 रन बनाए।ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने सबसे अधिक 4 विकेट झटके थे। उमेश यादव को 3, जबकि जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट झटके। इस तरह से टीम इंडिया पहली पारी में बढ़त हासिल करने में सफल रही।

मैच के तीसरे दिन 19 दिसंबर को टीम इंडिया दूसरी पारी में बुरी तरह लड़खड़ा गई।कोई खिलाड़ी दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका।अतिरिक्त के रूप में एक भी रन नहीं मिले। टेस्ट इतिहास यह पहला वाकया था कि जब 11 बल्लेबाज और अतिरिक्त रन में से कोई भी दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। मयंक अग्रवाल ने सबसे अधिक 9 रन बनाए थे। तीन खिलाड़ी शून्य पर आउट हुए, कप्तान कोहली सिर्फ 4 रन बना सके। जोस हेजलवुड ने 5 और पैट कमिंस ने 4 विकेट लिए।इस तरह से ऑस्ट्रेलिया को 90 रन का लक्ष्य मिला।इस ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया।इस तरह से मेजबान टीम ने मैच 8 विकेट से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।हालांकि 4 मैचों की सीरीज पर टीम इंडिया ने 2-1 से जीत हासिल की थी। इस मैच से पहले भारतीय टीम का टेस्ट में सबसे कम स्कोर 42 रन का था।यह टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में बनाया था।

आईपीएल मेगा नीलामी फरवरी के पहले साल में होगी !

मुम्बई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2022 संस्करण के लिए मेगा नीलामी अगले साल फरवरी के पहले सप्ताह में हो सकती है। आईपीएल का ये सत्र देश में ही खेला जागा। एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल गवर्निंग काउंसिल फरवरी के पहले सप्ताह में इस नीलामी को आयोजित करेगी। यह नीलामी भी पहले की तरह ही दो दिवसीय होगी। गवर्निंग काउंसिल ने पहले ही सभी टीमों को पहले ही सभी प्रकार की जानकारी दे दी है। आईपीएल में सीवीसी स्पोर्ट्स एसोसिएशन पर अंतिम निर्णय में हो रही देरी के कारण ही बोर्ड अभी तक नीलामी के लिए तरीखें नहीं तय कर पाया है।

आईपीएल के नये सत्र में आठ की जगह दस टीमें उतरेंगी। ऐसे में दो नई टीमों के शामिल होने से यह नीलामी पहले से बड़ी रहेगी। बैंगलोर और हैदराबाद में स्क्रीनिंग प्रक्रिया तुलनात्मक रूप से अच्छी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मेगा नीलामी-इवेंट इन दोनों शहरों में से किसी एक में होगी। इस प्रकार मेगा नीलामी फरवरी 2022 के पहले सप्ताह में कहीं भी हो सकती है।

अहमदाबाद फ्रैंचाइजी जिसे सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स ने 5625 करोड़ रुपए में खरीदा था, को अभी तक बीसीसीआई से आशय पत्र नहीं मिला है। इसी कारण नीलामी में देरी हो रही है।

लक्ष्य को अगली बार विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण जीतने का भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को भरोसा है कि वह अगली बार विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतेंगे। लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक से ही संतुष्ट नहीं है और अगली बार ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में और बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। लक्ष्य सेमीफाइनल में हमवतन किदांबी श्रीकांत के हाथों 17-21, 21-14, 21-17 से हार गये थे। इस संघर्षपूर्ण मैच में एक समय 15-13 की बढ़त हासिल करने वाले लक्ष्य ने कहा कि यह एक लंबा टूनार्मेंट रहा है और जब आप जीत के करीब होते हैं तो इस तरह की हार को स्वीकार नही कर पाते हैं। साथ ही कहा कि कांस्य से ही मैं संतुष्ट नहीं हूं। सेमीफाइनल मुकाबला बेहद करीबी था। यह किसी के पक्ष में भी जा सकता था। इस पदक से मुझे भविष्य के मुकाबलों के लिए लाभ होगा।

इस पदक के साथ ही वह लक्ष्य महान खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण और बी साई प्रणीत के साथ आ गये हैं। इन दोनो ने भी इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पदक जीते थे। लक्ष्य ने कहा कि यह अच्छी बात है कि मैंने अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप में सेमीफाइनल में जगह बनाई और प्रकाश पादुकोण जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के साथ मेरा नाम जुड़ा है पर मैं उनके जैसे कई और पदक जीतने की उम्मीद कर रहा हूं। मैं उनकी तरह ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप भी जीतना चाहता हूं। कांस्य पदक से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है।

धर्मशाला स्टेडियम में 15 मार्च को श्रीलंका के साथ टी20 मैच खेलेगी भारतीय टीम

हिमाचल क्रिकेट संघ ने मैच की तैयारियों के लिए बैठक आयोजित की

धर्मशाला, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई के अनुसार श्रीलंका के खिलाफ 15 मार्च को यहां के धर्मशाला स्टेडिम में भारतीय टीम एक टी20 मैच खेलेगी। हिमाचल क्रिकेट संघ ने इस मैच की तैयारी के लिए एक बैठक भी आयोजित की थी। इस बैठक में मूलभूत सुविधाओं को बढ़ाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष आरपी सिंह भी मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए आरपी सिंह ने क्रिकेट संघ के आधारभूत और वित्तीय ढांचे पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। वहीं बैठक में आने वाले समय की प्रतियोगिता को लेकर भी बात हुई। इसके अलावा बैठक में हिमाचल क्रिकेट टीम के वर्तमान क्रिकेट प्रदर्शन का आंकलन भी किया गया।

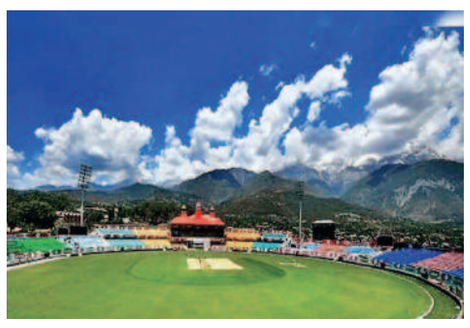

बैठक में एचपीसीए के ऑनरी सचिव सुमीत शर्मा, कोषाध्यक्ष अविनाश परमार, संयुक्त सचिव अमिताभ शर्मा सहित अपैक्स कॉउंसिल के सदस्य विशाल शर्मा, ब्रिजेन्द्र तथा नयन कटोच भी उपस्थित थे।धर्मशाल में टीकाकरण के बाद क्रिकेट संघ ने 8 फार्मेट में टूनार्मेंट शुरू कर दिए हैं।प्रदेश में पहला महिला सब-सेंट सिरमौर में खोला गया। वहीं प्रदेश में 11 सब-सेंटर खोले गए हैं। क्रिकेट संघ की इस वर्ष की तीसरी बैठक की जानकारी देते हुए एचपीसीए सचिव सुमित शर्मा ने कहा कि भविष्य योजना के तहत एचपीसीए ने तैयारियां आरम्भ कर दी हैं। बैठक में 15 मार्च को प्रस्तावित भारत-श्रीलंका के टी-20 मैच की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। इसके अलावा खिलाडियों को मूलभूत सुविधाएं बढ़ाने पर चर्चा हुई। कोविड महामारी के चलते खेल गतिविधियां रूकी थी, लेकिन टीकाकरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद गतिविधयों को शुरू किया गया है। क्रिकेट संघ ने अभी धर्मशाला स्टेडियम में अंतर जिला टूनार्मेंट शुरू किए गए हैं।

भारत बनाम साउथ अफ्रीका : विराट के पास इतिहास रचने का सुनहरा मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया 26 दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच खेलेगी। इस बार टीम इंडिया के पास विराट कोहली की अगुवाई में स्वर्णिम कीर्तिमान रचने का अवसर है। भारतीय टीम पहली बार 1992 में अफ्रीका के दौरे पर गई थी। पिछले 29 सालों में भारत ने अफ्रीका की धरती पर सात टेस्ट सीरीज खेला लेकिन विजेता बनने में असफल रहा। भारत के धाकड़ कप्तान रहे सौरव गांगुली और महेंद्र सिंह धोनी भी वहां टेस्ट सीरीज जीतने में नाकाम रहे। दक्षिण अफ्रीका को उसी की सरजमीं पर हराना टेढ़ी खीर है लेकिन विराट इतिहास बदल सकते है।

अफ्रीकी टीम इन दिनों बदलाव के दौर से गुजर रही है। 2013 के बाद पहली बार घर पर अफ्रीकी टीम को हाशिम अमला, एबी डिविलियर्स और फाफ डु प्लेसी की कमी महसूस होगी। इन तिकड़ी ने देश-विदेश में अफ्रीका को कई टेस्ट में जीत दिलाने के अलावा कई बार हार से भी बचाया है। अमला, डिविलियर्स और डु प्लेसी ने घर पर एक साथ 24 टेस्ट मैच खेला है जिसमें 17 बार अफ्रीकी टीम अपराजेय रही। एबी डिविलियर्स के संन्यास लेने से पहले अफ्रीकी टीम ने न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और भारत को दो-दो बार जबकि ऑस्ट्रेलिया को एक बार टेस्ट सीरीज में मात दी। अफ्रीका की तेज गेंदबाजी अब भी बेहतरीन है। उसके पास कगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्किया और लुंगी एनगिडी जैसे घातक गेंदबाज हैं जो उछाल और स्विंग लेती पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा लेंगे।

हालांकि दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी कमजोर नजर आ रही है। टीम के कप्तान डीन एल्गर का भारत के खिलाफ औसत 33 का है। वहीं उप कप्तान तेम्बा बावुमा और स्टार बल्लेबाज क्विंटन डि कॉक भारत के खिलाफ 19 की औसत से ही रन बना सके हैं। हाल के दिनों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले एडेन मार्करम का तो और बुरा हाल है। वहीं रासी वैन डर डुसेन ने भारत के खिलाफ अब तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। इसके अलावा पहले टेस्ट मैच के बाद डिकॉक व्यक्तिगत कारणों से भारत के खिलाफ सीरीज के आखिरी दो टेस्ट नहीं खेलेंगे। टीम इंडिया के पास जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, ईशांत शर्मा और मोहम्मद सिराज जैसे कहर ढाने वाले गेंदबाज है। अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा चोटिल होने की वजह से सीरीज से बाहर हैं। ऐसे में रविचंद्रन अश्विन 7वें नंबर पर ऑलराउंडर की भूमिका निभा सकते हैं। वहीं भारत 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकता है।

सौरव गांगुली की कप्तानी में भारत साल 2001 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गया था। हालांकि उसे दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारत ने दो बार दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया है। धोनी की कप्तानी में पहली बार साल 2010-11 में भारतीय टीम अफ्रीका की धरती पर टेस्ट सीरीज ड्रॉ कराने में सफल रही। धोनी की कप्तानी में भारत ने दूसरी बार 2013-14 में अफ्रीका का दौरा किया। दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से हार मिली। भारत ने तीन साल पहले विराट कोहली की कप्तानी में आखिरी बार अफ्रीका का दौरा किया था। तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा।